



गंगोत्री से
गंगासागर
तक खिला
‘कमल’

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



पीएम नरेंद्र मोदी बोले

बंगाल में ‘जनशक्ति की जीत’

बंगाल में कमल खिल गया है, यह चुनाव हमेशा याद रखा जाएगा क्योंकि इसमें जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति सफल रही है। लोगों ने भाजपा को शानदार जनादेश दिया है और उनकी पार्टी राज्य के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।



तीन राज्यों बंगाल, असम व पुडुचेरी में भाजपा को बहुमत, तमिलनाडु में एक्टर थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कडगम (टीवीके) बहुमत के करीब, केरलम में कांग्रेस की सरकार

‘पालटानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार’ (पालटना जरूरी है, भाजपा की सरकार चाहिए) बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में इस नारे ने भी अहम भूमिका निभाई

भाजपा को करीब 1.39 करोड़ वोट मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस को करीब 1.26 करोड़ वोट मिले। भाजपा को करीब 45% वोट मिले, जबकि टीएमसी को 40.83%। यानी सिर्फ करीब 4% का अंतर

ममता बेनर्जी: भवानीपुर



बंगाल में टीएमसी का परिसीमन व एसआईआर का मुद्दा फेल, बांग्लादेशी घुसपैठियों का भाजपा का मुद्दा असरदार रहा

पिनराई विजयन - धर्मादम



केरल में एंटी हिंदू मूवमेंट घातक रहा। बेरोजगारी और धर्मपरिवर्तन जैसे मुद्दे भारी पड़ गए। कांग्रेस ने वहां अपना स्पेस तलाश लिया

एमके स्टालिन - कोलायुर



तमिलनाडु में सनातन का विरोध ले डूबा। हिंदू धर्म के बारे में अमर्द बातें, हताश युवा और जनकल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार से हुई दुर्गति

हिमंता सरणा - जलुकबाड़ी



असम में घुसपैठियों को खदेड़ने का मुद्दा छाया, विकास के नए रास्ते के मंत्र ने काम किया, डबल इंजन सरकार का फॉर्मूला असर कर गया

बंगाल

कुल सीट 293, बहुमत :147

पार्टी	आगे	जीते	कुल (+/-)
भाजपा	143	61	204 (+127)
टीएमसी	57	26	83(-132)
कांग्रेस	1	1	2(2)0
लेफ्ट	2	0	2(1) 1
अन्य	0	2	2(0) 2

तमिलनाडु

कुल सीट 234, बहुमत :118

पार्टी	आगे	जीते	कुल (+/-)
टीवीके	74	34	108(108)
अन्नादमुक+ 35	15	50(-25)	
दमुक+	58	18	76(-83)
अन्य	0	0	0(0)

केरलम

कुल सीट 140, बहुमत :71

पार्टी	आगे	जीते	कुल (+/-)
यूडीएफ	0	102	102 (62)
एलडीएफ	0	35	35 (-59)
भाजपा+	0	3	3 (3)
अन्य	0	0	0 (-6)

असम

कुल सीट 126, बहुमत : 64

पार्टी	आगे	जीते	कुल (+/-)
भाजपा+	25	77	102(27)
कांग्रेस+	13	8	21(-29)
एआईयूडीएफ 1	1	2(-14)	
अन्य	0	1	1(0)

पुडुचेरी

कुल सीट 30, बहुमत : 16

पार्टी	आगे	जीते	कुल (+/-)
एनडीए	4	14	18(2)
कांग्रेस+	1	5	6(-2)
टीवीके+	0	2	2(2)
अन्य	0	4	4(-2)

तृणमूल 15 साल बाद सत्ता से बाहर, तमिलनाडु में 59 साल से डीएमके-एआईडीएमके का पावर शेयरिंग का खेल खत्म, केरलम में 10 साल बाद वामपंथी सत्ता से बेदखल, अब देश में 80 फीसदी आबादी में भाजपा का कमल

बंगाल की ‘ममता’ अब मोदी के साथ

असम में भाजपा की हैट्रिक... तमिलनाडु में ‘सीटी’ की गूंज



शिवेंदु अधिकारी

एजेसी नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में आखिरकार, पहली बार भगवा का उदय हो गया। करीब 74 साल बाद पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के घर पर भगवा लहराया गया। यानी, भाजपा ने अपने पितृपुरुष का ऋण चुका दिया। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी कहा था- अंधेरा छंटेगा। सूरज निकलेगा। कमल खिलेगा। वही हुआ भी। 15 साल बाद ममता बेनर्जी की तृणमूल बंगाल से बाहर हो गई। 10 साल बाद केरलम से वामपंथी बेदखल कर दिए गए। 49 साल में यह पहली बार हुआ है कि कोई भी वामपंथी पार्टी सत्ता की राजनीति से पूरी तरह बाहर हो गई है। तमिलनाडु में एक्टर थलापति विजय की पार्टी टीवीके ने डीएमके को सत्ता से उखाड़ फेंका। असम में हंमंता व भाजपा का जादू चल गया। पुडुचेरी में भाजपा का गठबंधन सत्ता में आ गया। वहां एनआर कांग्रेस और भाजपा का गठबंधन वापसी कर रहा है। इन सभी जगह पीएम नरेंद्र मोदी कुल 29 चुनाव प्रचार अभियानों में हिस्सा लिया। इनमें से 19 जिलों में 24 रोड शो, जनसभाएं और रैलियां सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही हुईं। पीएम मोदी ने यहां मुर्शिदाबाद से लेकर कोलकाता तक ताबड़तोड़ रैलियां कीं। दूसरी तरफ बाकी राज्यों में उनके पांच चुनावी कार्यक्रम भी नहीं हुए।

मोदी ने जीता कार्यकर्ताओं का दिल अपनी फूलमाला नवीन को पहना दी

पीएम मोदी जैसे ही भाजपा मुख्यालय पहुंचे उनका स्वागत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। उन्होंने पीएम को जैसे ही फूल माला पहनाई, पीएम ने यही फूलमाला नितिन नवीन के गले में डाल दी। उन्होंने ऐसा करके संदेश दिया कि यह प्रचंड जीत संगठन के कारण है। पीएम मोदी ने ऐसा करके पार्टी के कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया।



विजय के परिवार ने चुनाव विजय 'सीटी' बजाकर जीत का जश्न मनाया



कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की



नई दिल्ली में पीएम के कटआउट को रसगुल्ला खिलाते हुए



बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर रंग गुलाल उड़ाया

भाजपा की ‘नवीन’ नीति ने बदला बंगाल का गणित

करीब पांच महीने पहले भाजपा जो पार्टी में ‘नवीन नीति’ लाई थी, इसे उसका परिणाम कहें तो गलत नहीं होगा। नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया, तभी से यह चर्चा चल निकली थी कि अब निशाना पश्चिम बंगाल ही है। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने और तुष्टिकरण का मुखर विरोध करने के साथ वर्गों में बंटे हिंदुओं को एकजुट करने के लिए भाजपा ने चक्रव्यूह की रचना की थी। नितिन ने पश्चिम बंगाल से सटे बिहार से भाजपा के हर स्तर के नेता को पश्चिम बंगाल में करीब 90 दिनों के लिए शिफ्ट कर दिया। पार्टी ने बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की

तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ पूरा प्लान तैयार किया था। नितिन नवीन की पूरी टीम इस प्लान के तहत काम करती रही। दिल्ली की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों की बड़ी संख्या है। सरकारी कर्मचारियों को उनके हकों से वंचित करना और सातवें वेतन आयोग को लागू करने के वादे की वजह से लगभग 20 से 50 लाख मतदाताओं पर असर पड़ा है। चुनाव आयोग के मुताबिक 5.23 लाख मतदाता ऐसे थे जिन्हें पहली बार वोट डालना था, 1.31 करोड़ मतदाता ऐसे थे, जिनकी उम्र 20 से 29 साल के बीच है। भाजपा ने सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर काम कर इस वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की और पहुंच भी गए।

HONDA
The Power of Dreams

How we move you.
CREATE ► TRANSCEND, AUGMENT

Scooter बोलें तो ACTIVA

110CC

लिमिटेड पीरियड ऑफर

डाउन पेमेंट

₹5100*

इंस्टैंट कैशबैक

₹5000*



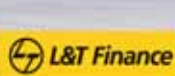
Smart Coloured TFT with 3 Modes



एक्टिवा रेंज की शुरुआत होती है

₹78181^ से

एक्स-शोरूम



अधिक जानकारी के लिए **7230032200** पर मिस्ड कॉल दें

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 31st May 2026. *5% Instant Cashback up to Rs. 5000 is available on all HMSI models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 6 months & above). *Instant Cashback of up to Rs. 4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 9 months & above). *The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. *The Instant Cashback offer is valid until 31st May 2026. *The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Madhya Pradesh. *For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.



डीलर विवरण
के लिए QR कोड
स्केन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

KERALA STATE, INDIA

केरल

केरल में कांग्रेस गठबंधन यूडीएफ को मिला बहुमत

देश से लेफ्ट का आखिरी किला भी ‘धड़ाम’

1960 के दशक के बाद पहली बार वामपंथी दल किसी भी राज्य में सत्ता में नहीं

केरल

140

कुल सीट

गणित

कांग्रेस की अगुवाई में बनेगी सरकार

यूडीएफ	102 सीटें
एलडीएफ	35 सीटें
भाजपा	3 सीटें

केरलम्। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यूडीएफ गठबंधन ने बहुमत प्राप्त कर लिया है। केरल में कांग्रेस की वापसी के साथ ही भारत में लेफ्ट का आखिरी किला ढह गया। अब भारत के किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं है। केरल में 10 सालों से पिनराई विजयन के नेतृत्व में सरकार चल रही थी, लेकिन इस बार कांग्रेस ने वामपंथी सरकार को हरा दिया। 10 साल से सत्ता में रही लेफ्ट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केरल विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 2 कार्यकालों से सत्ता में रहे वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के बीच सीधी टक्कर रही। कांग्रेस ने यहां 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था। एलडीएफ की हार के साथ 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा कि वामपंथी दल किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं होंगे। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला राजग द्विधुवीय राजनीति वाले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। वहीं भाजपा भी केरल में अपनी उपस्थिति बढ़ाती नजर आ रही है। राजग, हालांकि सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है, लेकिन 2021 में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद केरल में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए यह चुनाव अहम रहा।

यूडीएफ की जीत के कारण

■ सत्ता विरोधी लहर ने एक बड़ी भूमिका निभाई

■ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की जमीनी मुहिम

■ संगठनात्मक रणनीति

■ अल्पसंख्यकों का एकजुट होना

■ सत्ता पक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप

केरल में क्यों हारी एलडीएफ?

■ एलडीएफ के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर

■ भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप

■ केरल में आर्थिक संकट

■ 40 साल तक एक तय पैटर्न पर सरकार चली

क्यों दूसरी बड़ी पार्टी बनी एलडीएफ

■ धुवीकरण का गेम फेल हो गया

■ ओबीसी, दलित व मुसलमानों का साथ नहीं मिला

■ विश्वास की कमी भी बना बड़ा कारक

केरल में जीत की खुशी में वेणुगोपाल ने सतीशन को मिठाई खिलाई

केरल में ‘लालू की लालटेन’ भी जली, प्रवीण ने जीता चुनाव

केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की लहर के बीच लेफ्ट के साथ चुनाव लड़ रही लालू यादव की पार्टी राजद के एक उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। केरल की कुथुपरम्बा विधानसभा क्षेत्र में आरजेडी उम्मीदवार पीके प्रवीण ने कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ते हुए जीत हासिल की है।

केरल से ही हुई थी वाम शासन की शुरुआत

मीम्स : एक-एक कप चाय और बोला जाएगा

भारत में वामपंथी शासन की शुरुआत 1957 में केरल से ही हुई थी, जब पहली बार वामपंथी सरकार बनी। इसके बाद 1977 में पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भी वाम दल सत्ता में आया। बंगाल में वामपंथ करीब साढ़े तीन दशक तक सत्ता में रहा, लेकिन 2011 में ममता बेनर्जी ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया। वहीं, त्रिपुरा में 1998 से 2018 तक लगातार वामपंथी शासन रहा। बंगाल और त्रिपुरा से सत्ता गंवाने के बाद केरल ही वामपंथ का अंतिम मजबूत गढ़ बचा था। अब वहां भी हार के बाद वामपंथ पूरी तरह सत्ता से बाहर हो गया है। त्रिपुरा में जहां कभी वामपंथ का दबदबा था, अब केवल 11 विधायक ही बचे हैं। बिहार, जहां कभी वामपंथ किंगमेकर की भूमिका में रहा, अब वहां भी उसका प्रभाव काफी सीमित हो गया है। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में वामपंथी दलों के सिर्फ तीन विधायक ही जीत सके, दो सीपीआई (माले) और एक सीपीआई (एम) से।

ऐतिहासिक जीत

293

कुल सीट

पश्चिम बंगाल

कोलकाता। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह दोनों ही चुनावी प्रचार में अंग-बंग-कलिंग का जिन्न करते हुए बंग जीतने की बात करते थे। ये है क्या? यह प्राचीन भारत के पूर्वी हिस्से के 3 ऐतिहासिक और समृद्ध साम्राज्य थे। जिसमें अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी और शाह ने इसे भारत की ऐतिहासिक समृद्धि के तीन मजबूत स्तंभ बताते हुए चुनावी प्रचार किया। वर्तमान चुनावी परिदृश्य में, यह अंग-बंग-कलिंग शब्द पूर्वी भारत के विकास

जीत के प्रमुख कारण

■ 15 साल की सत्ता विरोधी लहर

■ भ्रष्टाचार के आरोप

■ पारा क्लब घोटाला

■ एसआईआर ने लिख दी पटकथा

■ बंपर मतदान

■ शांतिपूर्ण मतदान

■ महिलाओं का समर्थन

ममता की हार

■ सीएम ममता सुरक्षा व्यवस्था में फेल

■ भ्रष्टाचार और घोटालों की लंबी सूची

■ सिंडिकेट के हाथ में रहा कथित प्रशासन

■ नेताओं के बड़बोलेपन ने भी डुबाया

बंग फतह की जंग में ममता से ‘मोह’ हो गया भंग

पीएम मोदी, शाह और सुवेंदु का कमाल, बंगाल में भाजपा ने किया पहली बार ‘धमाल’

गणित

भाजपा का परचम

भाजपा	193
टीएमसी	95
वाम	02
कांग्रेस	02

जीत की खुशी में भाजपा समर्थकों ने आतिशबाजी की।

राजस्थान का कनेक्शन भी आया सामने

बृथ से लेकर पीएम की सभाओं तक, जीत के ‘आर्किटेक्ट’ कई नेता

बंगाल में भाजपा की जीत के पीछे राजस्थान के नेताओं की रणनीतिक भूमिका अब चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट, बृथ स्तर की तैयारी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की सभाओं की मॉनिटरिंग से लेकर विधानसभा स्तर तक संगठन को सक्रिय करने में राजस्थान भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने अहम जिम्मेदारी निभाई। इससे अहम भूमिका भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव की मानी जा रही है। बंगाल चुनाव में पूरी रणनीति के केंद्रीय स्तंभ रहे यादव ने उम्मीदवार चयन, बृथ मैनेजमेंट और संगठनात्मक समन्वय पर लगातार फोकस रखा। भाजपा ने करीब 40 हजार बूथों पर ‘पन्ना प्रमुख’ मॉडल लागू किया, जिसका असर दिखा।

बंगाल में पहली बार खिला ‘कमल’

मीम्स : खेला होबे...

बंगाल में 15 साल बाद सत्ता परिवर्तन होता दिख रहा है। राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली तुणमूल कांग्रेस की विदाई हो गई है। भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाती दिख रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय दलों की लड़ाई का मैदान रही है। अब तक के परिणामों को देखें तो इस बार भाजपा ने न केवल अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया, बल्कि चुनावी रणनीति, नैरेटिव और बृथ स्तर तक पहुंच में भी महत्वपूर्ण सुधार किया। इसका असर उसकी सीटों की संख्या पर दिख भी रहा है। बंगाल में भाजपा की वापसी के कई महत्वपूर्ण कारण रहे हैं।

वर्गों में बंटे वोटर्स को जोड़ना बनाया लक्ष्य

मीम्स : खेला होबे...

बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत तक बताई जाती है। मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण में बवाल बाद में आया, लेकिन अंदाजा भाजपा को पहले से था। मतदान के दौरान वोट प्रतिशत बढ़ने के पीछे भी यही वजह बताई जा रही थी कि मुस्लिम आबादी एकमुश्त एक तरफ जा रही है तो जवाब में हिंदू जातियों ने गुटबंदी की है। यह गुटबंदी चुनाव परिणाम के रूप में इस तरह सामने आ रही, यह एग्जिट पोल भी बता रहे थे। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह बॉम्बार्डशियों को अलगथलग करने और तुष्टिकरण को मुखर विरोध करने के साथ वर्गों में बंटे हिंदुओं को एकजुट करने के लिए भाजपा ने चक्रव्यूह की रचना की थी।

गुलशनानों को पसंद नहीं आई एआईएमआईएम

बिहार चुनाव में चौंकाने वाले प्रदर्शन के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को काफी उम्मीद थी। ओवैसी की पार्टी को पहले ही बड़ा झटका लग गया था जब हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन टूटने के बाद ओवैसी ने बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा।

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में ‘महाजीत का महाजश्न’

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बंगाली पोशाक पहनकर आए पीएम मोदी

तीन राज्यों में भाजपा की जीत के बाद पीएम मोदी बोले- वर्षों की साधना सिद्धि में बदली, हमारा मंत्र- नागरिक देवो भवः

हिंसा की राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका

बांग्लाए पोरिबोर्तन होए गए छ

बंगाल की पावन धरा पर एक नया सूर्योदय

यानी अब बंगाल भयमुक्त विकास के भरोसे से युक्त हुआ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में से पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी के प्रदर्शन का जश्न मनाने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब वर्षों की साधना सिद्धि में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी आज मैं देशभर के भाजपा के कार्यकर्ता के चेहरे पर देख रहा हूं। मैं कार्यकर्ता के नाते हर भाजपा कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूं। ये दिवस कई मायनों में खास है, विशेष है। ये देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। ये भरोसे का दिन है। भरोसा भारत के महान लोकतंत्र पर, भरोसा प्रदर्शन की राजनीति पर। भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर। पीएम ने कहा कि मैं बंगाल की जनता का, असम की जनता का, पुडुचेरी की जनता का, तमिलनाडु और केरल की जनता का आदरपूर्वक नमन करता हूं।



दिल्ली में आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता

पीएम के पहले संकल्प

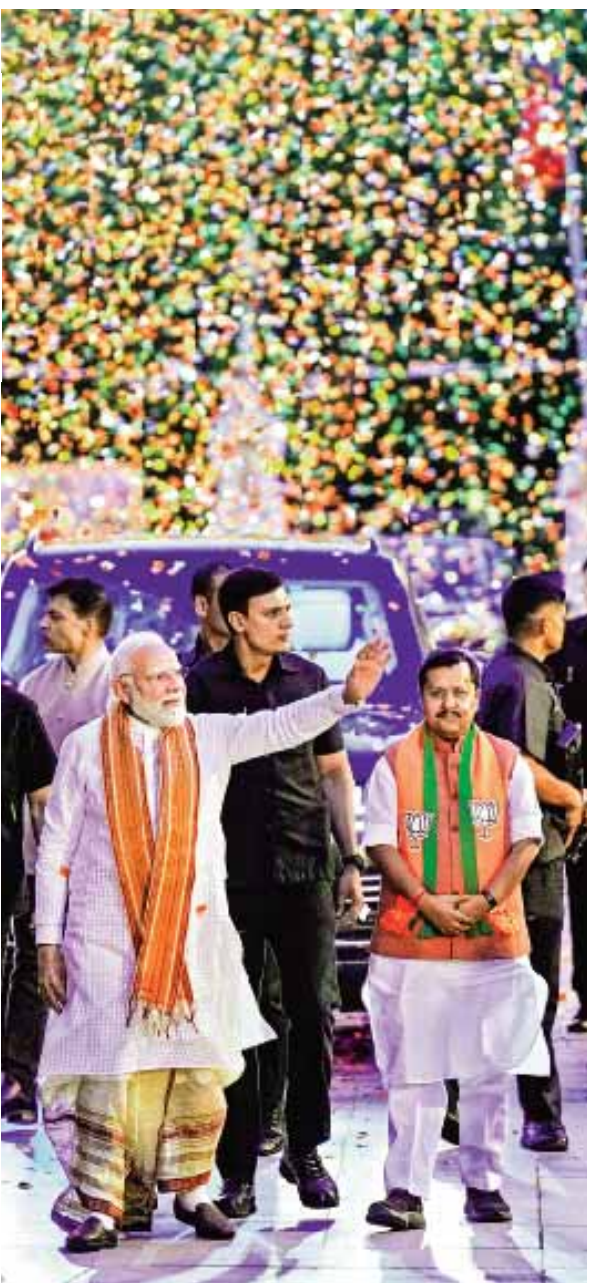
- ▶▶ पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी दिखाई जाएगी
- ▶▶ घुसपैठियों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई होगी

- इस महाविजय की दहलीज पर खड़े होकर हम गुरुदेव टैगोर की भी याद कर रहे
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी का मार्गदर्शन इस विजय में बहुमूल्य रहा
- लोकतंत्र के इस महापर्व में बंदूक की आवाज के ऊपर भी जनता की आवाज गूंजी। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता

पीएम ने कहा कि बंगाल में हमारे कितने ही कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन इस जीत के लिए समर्पित किया है। भाजपा की कितनी महिला कार्यकर्ताओं को तमाम अत्याचार सहने पड़े। केरल में और बंगाल में भाजपा के हर कार्यकर्ता को कितनी मुसीबतें झेलनी पड़ीं। उन पर कितने जुल्म हुए हैं, कितने अत्याचार हुए हैं।

बंगाल में अब महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा

पीएम मोदी ने कहा कि मैं हर बंगाल वासी को भरोसा देता हूँ कि बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। बंगाल में अब महिलाओं की सुरक्षा का माहौल मिलेगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा। पलायन रुकेगा। पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी दिखाई जाएगी।



पीएम मोदी का भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया



खबर संक्षेप

ओडिशा में सड़क हादसा 5 की मौत, 8 घायल भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक बोलेरो वाहन ने पीछे से एक हाइवा ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक सहित 8 अन्य



घायल हो गए। घायलों में 2 बच्चे शामिल हैं। और एक महिला भी शामिल हैं। सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। यह हादसा जेनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बराडा बेहरा टंकी चौक के पास हुआ। सभी पीड़ित बड़चान ब्लॉक के पुरुषोत्तमपुर सबर साही गांव के निवासी थे, जो क्वॉडर में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

सुनेत्रा पवार की ऐतिहासिक जीत, बना नया रिकॉर्ड

बारामती। महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा पवार ने भारतीय चुनावी इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की उम्मीदवार सुनेत्रा ने 2,18,930 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

बंगाल सीएस का आदेश सुरक्षित रखें फाइलें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव ने दुपुंयत नारियाला आदेश जारी कर सभी विभागीय सचिवों से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कागज या फाइल कार्यालय से हटाई/ क्षतिग्रस्त नहीं की जाए।



मप्र का भी ‘बंगाल विजय’ में योगदान

बिहार चुनाव की तरह ही पश्चिम बंगाल चुनाव में भी भाजपा को सफलता मिली

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जहां भी चुनाव प्रचार किया, उन सभी विधानसभा में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजय मिली। मुख्यमंत्री का यह ट्रैक रिकॉर्ड भी है कि जहां भी चुनाव प्रचार करते हैं, वहां का प्रत्याशी भारी मर्तों से चुनाव जीत जाता है। बिहार चुनाव में भी मुख्यमंत्री ने जितने स्थानों पर चुनाव प्रचार किया था, उन सभी में जीत मिली थी। पश्चिम बंगाल चुनाव में भी भाजपा को उसी तरह से अपेक्षित सफलता मिली।

पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए भाजपा ने मप्र से बड़ी संख्या में नेताओं को चुनाव प्रचार में लगाया था। इसमें से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा हाई कमान ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए 7 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार के लिए भेजा था। खड़गपुर पश्चिम में तो घर-घर जाकर चुनाव प्रचार किया।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भूमिपूजन करते हुए

मुख्यमंत्री ने किया ऋषि गालव विश्वविद्यालय के लिए भूमिपूजन

प्रदेश के एजुकेशन हब के रूप में नई पहचान गढ़ने की ओर अग्रसर ग्वालियर: डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऋषि गालव विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ग्वालियर प्रदेश के एजुकेशन हब के रूप में नई पहचान गढ़ने की ओर अग्रसर है। एक विश्वविद्यालय शिक्षा का केन्द्र होने के साथ ही राष्ट्र निर्माण का भी स्थल होता है। ऋषि गालव के नाम पर बनने वाला यह संस्थान हमारी आने वाली पीढ़ियों को संस्कार, संस्कृति और कौशल से सुसज्जित कर राष्ट्र निर्माण का अद्भुत बनाएगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना में किया हरसंभव सहयोग का वादा

सरकार-समाज के साझा प्रयासों का सजीव उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऋषि गालव विश्वविद्यालय सरकार और समाज के साझा प्रयासों का सजीव उदाहरण है। इस विश्वविद्यालय की पूर्ण गति और गति के साथ स्थापना में राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल चुनाव में 7 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार किया था

5 सीटों पर मिली प्रचंड जीत 75 फीसदी रहा ‘स्ट्राइक रेट’

सीएम ने कहा कि असम ने एक बार फिर घुसपैठियों के खिलाफ राष्ट्रवादी शक्तियों का साथ दिया। बंगाल की जनता ने भी कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में अपना अटूट विश्वास दिखाया

मुख्यमंत्री ने 2 व 18 अप्रैल को बांकुरा और खड़गपुर सदर में किया था चुनाव प्रचार, वहां भी मिली जीत



सीएम ने खड़गपुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी दिलीप घोष के लिए प्रचार किया था (फाइल फोटो)

मप्र से बड़ी संख्या में नेताओं को चुनाव प्रचार में लगाया गया था

सीएम बोले- ‘अंग, बंग और कलिंग’ हर दिशा में भाजपा का परचम

इन सीटों पर प्रचार करने गए थे सीएम

मुख्यमंत्री ने 2 अप्रैल को बांकुरा में चुनाव प्रचार किया था। वहां भाजपा प्रत्याशी नीलाद्री शेरक के फ्लेमिंग चुनाव प्रचार किया था। यहां नीलाद्री को 54

हजार वोटों से अधिक की जीत मिली। इसी तरह मुख्यमंत्री ने बजरंग में भाजपा प्रत्याशी बिलेश्वर सिंह के फ्लेमिंग चुनाव प्रचार किया। वहां भी 40 हजार से भी

अधिक वोटों से प्रचंड जीत मिली। छत्ता विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी सत्यनारायण मुखोपाध्याय के फ्लेमिंग सदन चुनाव प्रचार किया था।

सीएम ने बंगाल विजय पर कहा...

जन-जन के विश्वास और राष्ट्रवादी सोच की जीत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल में मिली प्रचंड जीत पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि पश्चिम बंगाल एवं असम में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय जन-जन के विश्वास और राष्ट्रवादी सोच की जीत है। ‘अंग, बंग और कलिंग’ हर दिशा में भाजपा का परचम लहराया है। असम ने एक बार फिर घुसपैठियों के खिलाफ राष्ट्रवादी शक्तियों का साथ दिया। बंगाल की जनता ने भी कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में अपना अटूट विश्वास दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और इसके बाद टीएमसी के शासन में बंगाल देश भर में फिड़ गया था।



केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, सीएम डॉ. यादव, हेमंत खंडेलवाल एवं वीडी शर्मा

भाजपा ने मनाया जश्न, जमकर की आतिशबाजी ढोल और नगाड़ों की थाप पर भाजपा ने मनाई जीत की खुशी

सीएम-प्रदेश अध्यक्ष ने बांटी झालमुड़ी

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

पश्चिम बंगाल में चुनावी रूझानों को देखते हुए सोमवार शाम से राजधानी स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय सहित प्रदेशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह नजर आया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन सहित कई शहरों में कार्यालयों और सड़कों पर कार्यकर्ता नाचते-गाते नजर आए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान कहीं कार्यकर्ताओं को झालमुड़ी खिलाई गई, तो कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर जश्न मनाया गया।



झालमुड़ी बांटकर खुशियां जाहिर की

पीएम मोदी का संबोधन सुना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं वरिष्ठ नेता शाम करीब 6 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इसके बाद देश के विभिन्न विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड जीत का उत्सव मनाया गया। यहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं और लोगों के बीच झालमुड़ी बांटकर खुशियां जाहिर की।

भड़के सीजेआई सूर्यकांत

दलितों से थाना साफ कराया ओडिशा अदालत के आदेश रद्द

एजेंसी ►► नई दिल्ली



जनमत के बदले पुलिस स्टेशन साफ करने की शर्त

सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा अदालतों के उन आदेशों को रद्द कर दिया है जिनमें दलितों और अल्पसंख्यकों को जमानत के बन्धन में पुलिस स्टेशन साफ करने की शर्त रखी गई थी। सीजेआई ने इसे गैर-न्यायिकता की जातिवादी सोच और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट समेत ओडिशा की विभिन्न अदालतों द्वारा पारित उन आदेशों पर कड़ी नाराजगी जताई है।

तमिलनाडु में नकारात्मक राजनीति हारी

तमिलनाडु में कांग्रेस के पराभव के बाद से लगभग छह दशक तक किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का सत्तारोहण नहीं हो पाया है। वहां की राजनीति फिल्मों सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कभी करुणानिधि का पलड़ा भारी पड़ा तो कभी एमजी रामचंद्रन छा गए। उनके बाद जयललिता का सितारा चमका। बीच का कुछ समय जरूर गैर फिल्मी मुख्यमंत्री का रहा। अभी निवर्तमान द्रमुक मुख्यमंत्री स्टालिन और उनके मंत्री पुत्र की नकारात्मक राजनीति का बोझ तमिलनाडु दो रहा था। अन्नाद्रमुक की पुनर्जीवन की आस नहीं थी। विकल्पों का शून्य तमिल सिनेमा के लोकप्रिय सितारे विजय थलापति (चंद्रशेखरन जोसेफ विजय) ने भरा। नई पीढ़ी ने उनमें भविष्य की आशा देखी। परिणामतः उन्हें तमिलनाडु की सत्ता सौंप दी गई।

किसानों का घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन किसान नेता नजरबंद, सीहोर से आने वाले वाहनों को रोका



सड़क पर लगा जान, यांत्रियों को परेशान होना पड़ा

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

राजधानी भोपाल में भारतीय किसान संघ द्वारा घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें किसानों को रूट बुकिंग, समाननिधि, भूमि अधिग्रहण, फसल बीमा और बिजली समस्याओं जैसी कई समस्याओं को लेकर किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों के प्रस्तावित आंदोलन से पहले ही प्रशासन और किसान संगठनों के बीच टकराव की स्थिति बन गई है।

अन्य राज्यों में खराब मौसम का असर भोपाल एयरपोर्ट पर तीन प्लाइट डायवर्ट, डेढ़ घंटे बाद फिर रवाना



यूपी के डिप्टी सीएम केदार प्रसाद गौरी ने विमान में

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

दिल्ली-जयपुर और लखनऊ में खराब मौसम के चलते शनिवार रात और रविवार सुबह कुछ उड़ानों को डायवर्ट कर भोपाल एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि यह कोई इमरजेंसी लैंडिंग नहीं थी, बल्कि मौसम खराब होने के कारण एहतियातन प्लाइट्स को भोपाल डायवर्ट किया गया था।

पश्चिम बंगाल को यह नया प्रयोग करने में 74 साल लगे

बदलाव की बयार और ‘हैकड़ी’ की हार

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं। ये नतीजे देश की राजनीति की भावी दिशा और दशा का संकेत देते हैं। पहला संकेत तो यही है कि इन चुनावों पर जेन-जी का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। यह भी पता चलता है कि मतदाताओं के मन में चल रही बदलाव की बहार निर्णायक साबित हुई। दूसरे, जहां-जहां भी नेताओं की हैकड़ी सिर पर चढ़कर बोलती रही, उन्हें शिकस्त देने में

मतदाताओं ने कोताही नहीं की। 2024 के लोकसभा चुनाव में एक्सपर्ट कमेंट

भाजपा को जो झटका लगा था, इन विधानसभा चुनावों ने उसकी भरपाई कर ली है। सबसे बड़ा उलटफेर कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच 1952 से 2025 तक झूलते रहे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रचंड

बहुमत के साथ सत्ता में आना है। यह बंगाल के मतदाताओं का परंपरागत राजनीतिक विचारधारा के त्रि-आयामी चक्रव्यूह से सत्ता के सिंहासन को बाहर निकालकर भाजपा को सौंपने का चमत्कारिक फैसला है। पश्चिम बंगाल को यह नया प्रयोग करने में 74 साल लगे। निश्चित ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति और अभियान का परिणाम है।



विजयदत्त श्रीधर वरिष्ठ पत्रकार

62 आईपीएस अफसरों के तबादले

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मध्यप्रदेश में आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर लंबे समय से चल रही देरी और असमंजस के बीच आखिरकार केंद्र सरकार के बार-बार रिमाइंडर के बाद प्रशिक्षण व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। पुलिस प्रशिक्षण की कमान अब स्पेशल डीजी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। शनिवार देर रात हुए तबादलों में 62 आईपीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया। इन तबादलों में पुलिस अधीक्षक रैंक तक के अधिकारी प्रभावित हुए हैं। बदलाव के पीछे प्रशिक्षण व्यवस्था और प्रशासनिक कसावट को मुख्य कारण बताया जा रहा है। काफी समय से प्रशिक्षण शाखा में स्थायी नेतृत्व की कमी महसूस की जा रही थी। इसके चलते व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। अब वरिष्ठ स्तर पर जिम्मेदारी तय करते हुए स्पेशल डीजी को इसकी कमान सौंपी गई है, जिससे प्रशिक्षण प्रणाली को मजबूत करने की कोशिश की गई है। सिवनी और सिंगरौली में हाल के कुछ मामलों ने भी प्रशासनिक फेरबदल को प्रभावित किया। इन जिलों में पुलिस अधिकारियों के कार्यों पर सवाल उठे थे, जिसके बाद राज्य स्तर पर समीक्षा कर तबादलों का निर्णय लिया गया।

मंत्रालय वल्लभ भवन में हुआ अल्पविराम कार्यक्रम



भोपाल। पुलिस कर्मियों को बिना

- निजी जीवन व कार्यस्थल पर सरल कार्य के टिप्स दिए

एवं विंध्याचल भवन के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयं की स्वयं से बात में विशेषज्ञों ने कई टिप्स दिए। निजी जीवन और कार्यस्थल पर सरल कार्य संस्कृति पर विशेष बल दिया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण में प्रतिभागी अधिकारियों और कर्मचारियों को निजी जीवन एवं कार्य स्थल पर आनंद के महत्व को बताया गया। जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व को बताया गया सभी ने जीवन के विभिन्न पहलुओं में उत्साह और ऊर्जा के विभिन्न आयामों पर विमर्श किया और कार्य स्थल पर टिप्स को अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर मंत्रालय के रजिस्ट्रार मनोज श्रीवास्तव, सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश शर्मा, आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, मुकेश, अजीत एवं समन्वयक के रूप में आनंद विभाग के मनु दीक्षित भी उपस्थित रहें।

परिजनों ने जेल प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायगढ़

जिला जेल में आबकारी एक्ट में बंद एक विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों ने इस मामले में जेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

तमनार थाना क्षेत्र के ग्राम डोलेसरा कठरापाली निवासी सुरेश रात्रे को तमनार पुलिस ने आबकारी एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सुबह उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच के दौरान ही उसे मृत घोषित कर दिया।

शव की शिनाख्ती के प्रयास तेज, मौके पर जुटी मीड़

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायगढ़

जिला मुख्यालय में सोमवार की सुबह केली नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यह मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह केली नदी के किनारे निर्माणधीन मरीन ड्राइव क्षेत्र में शव देखा गया। प्रगति नगर क्षेत्र के पास यह अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा

केंद्र के बार-बार रिमाइंडर के बाद प्रशिक्षण की कमान स्पेशल डीजी को, सागर आईजी व बुरहानपुर पुलिस अधीक्षक की नहीं हुई पोस्टिंग



हवाला कांड के बाद सिवनी एसपी को इंदौर डीसीपी बनाया
सिवनी में हवाला कांड सामने आने के बाद से ही एसपी सुनील मेहता को हटाए जाने की चर्चाएं चल रही थीं। जिन पर लंबे अरसे के बाद मुहर लग पाई। इसी तरह सिंगरौली में हाल ही में हुई बैंक डकैती को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाना दोनों ही मनीष खत्री से नाराज बताए जा रहे थे। जिले के मोरछा थाने में लगातार रह रही प्रमारियों की विवादास्पद नियुक्तियों को लेकर भी पुलिस मुख्यालय के अफसर नाराज थे। अब इन्हीं वजहों को खत्री के तबादले की वजह बताया जा रहा है।

सिंगरौली में बैंक डकैती के बाद एसपी मनीष खत्री को पीएचक्यू भेजा वरिष्ठ स्तर के इन अधिकारियों की नई पोस्टिंग

रवि कुमार गुप्ता- विशेष पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं निदेशक, पुलिस अकादमी मैत्री (अतिरिक्त प्रमार एडीजी रेल)

राजाबाबू सिंह-अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेल, भोपाल

डी पी. गुप्ता-अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सामुदायिक पुलिसिंग / अनुसंधान / सुधार, पुलिस मुख्यालय भोपाल

सोलोमन कुमार मिंज-अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, शिकारत एवं मानव अधिकार / लेखा-कारण, पीएचक्यू भोपाल, डीआईजी/ उप पुलिस महानिरीक्षक

- नीरज इरवाल-उप पुलिस महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल
- राहुल कुमार लोढ़ा-उप पुलिस महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल
- सुशील शर्मा प्रसाद-उप पुलिस

अमित सिंह-उप पुलिस महानिरीक्षक, विसबल, इंदौर रेंज

अवधेश कुमार गोस्वामी-उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल

अमित साधी-उप पुलिस महानिरीक्षक, होमगार्ड/एसडीआरएफ, भोपाल

वीरेन्द्र कुमार सिंह-उप पुलिस महानिरीक्षक, रीवा रेंज

प्रशांत खरे-उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल

मनीष कुमार अग्रवाल-उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल

नरेन्द्र कुमार राय-उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल

एसपी स्तर के अधिकारी

- महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल
- आदित्य राय-उप पुलिस महानिरीक्षक, ववालिर रेंज
- विवेक सिंह-उप पुलिस महानिरीक्षक, शहडोल रेंज

जिला पुलिस अधीक्षक

शैलेन्द्र सिंह चौहान-अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून व्यवस्था, नगरीय भोपाल
पंकज कांतिक-उप पुलिस महानिरीक्षक, नगरकोटिस, इंदौर
शिव दयाल-उप पुलिस महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल

मकरंद अवस्थी-अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर
अरविंद तिवारी-सेनानी, 36वीं वाहिनी, विसबल, धार

संजय कुमार-पुलिस अधीक्षक, जिला निवाडी
उमाशंकर सिंह-पुलिस अधीक्षक, जिला रीवा
दीपक कुमार शुकला-सेनानी, 37वीं वाहिनी, विसबल उज्जैन

अनिल सिंह राठौर-पुलिस उपायुक्त (जोन-2), नगरीय इंदौर

अरुण रतक-पुलिस अधीक्षक, जिला सागर

सचिन शर्मा-पुलिस अधीक्षक, जिला दमोह

वाहिनी सिंह-पुलिस अधीक्षक, पेट्रोलियम/विशेष इकाई इंदौर

विकास कुमार-पुलिस उपायुक्त (जोन-2), भोपाल

मध्यप्रदेश में 10 हजार स्टार्टअप धारकों ने कराया पंजीयन सीएम ने वितरित किए प्लेसमेंट प्रमाण पत्र स्टार्टअप को बढ़ावा देने सरकार सदा तत्पर

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। राज्य में 10 हजार स्टार्टअप धारकों ने अपना पंजीयन कराया है। स्टार्टअप शुरू करने वालों को राज्य सरकार प्रतिमाह स्टार्टअप भी दे रही है। प्रदेश में चारों ओर उद्योगों का फैलाव हो, इसके लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। बाहर की कंपनियों को निवेश के लिए औद्योगिक समिट के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले के महू में एक निजी कॉलेज में आयोजित प्लेसमेंट प्रोग्राम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कॉलेज के उन युवाओं को प्लेसमेंट के प्रमाण-पत्र वितरित किए, जिनका प्लेसमेंट विभिन्न कम्पनियों में हुआ। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, कॉलेज के सेक्रेटरी सुनील बंसल और शरद त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि यदि हम किसी विषय को मन लगाकर गहराई से पढ़ते हैं, तो उसकी याददाश्त लम्बे समय तक बनी रहती है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद



युवाओं से संवाद करते सीएम।

मुख्यमंत्री ने शिक्षक बनकर विद्यार्थियों से प्रश्न किए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षक बनकर विद्यार्थियों से प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने भी मुख्यमंत्री से प्रश्न किए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से विज्ञान और राजनीति से जुड़े प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने उद्योग और नवाचार को लेकर प्रश्न किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम तक ही विद्यार्थी स्वयं को सीमित न रखें, वह आगे भी अपना मनन और चिंतन जारी रखें। नए नए नवाचार करें और स्वयं

को भी परखें। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप, गुरुत्वाकर्षण, बहमाण्ड, नवाचार, निवेश आदि को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने सुशीला देवी बंसल कॉलेज परिसर में आयोजित विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रोजेक्ट के बारे में विद्यार्थियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही सामूहिक चित्र भी खिंचवाए।

परिचन बंगाल और असम जीत पर बीजेपी का जश्न आतिशबाजी कर और झाल-मुड़ी खाकर एक-दूसरे को दी बधाई

रायपुर। सोमवार को पांच राज्यों के चुनाव परिणाम जारी हुए। पश्चिम बंगाल और असम में बीजेपी की शानदार जीत पर उत्तीरगढ़ भाजपा में हर्ष का माहौल है। बीजेपी जिला कार्यालय एकात्म परिसर रायपुर में कार्यक्रमों में ने एक दूसरे को जीत की बधाई दी। मिठाई बांटकर एक दूसरे को गले लगाकर बधाई और शुभकामनायें दीं। इस दौरान बीजेपी कार्यालय में जमकर ढोल नगाड़े बजे। जमकर आतिशबाजी की गई। वहीं कार्यक्रमों ने झाल-मुड़ी खाकर जीत का जश्न मनाया।



जिला जेल में बंद विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत



पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। मृतक के भाई नरेश कुमार रात्रे ने बताया कि वह सुबह भाई से मिलने जेल पहुंचा था। उसे अस्पताल ले जाने की सूचना मिली और वहां मौत की जानकारी दी गई। नरेश ने जेल में ही भाई की मौत होने का दावा किया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

जेलर ने कहा, बंदी शराब पीने का आदी था

रायगढ़ जिला जेल के जेलर जीएस शोरी ने बताया कि सुरेश रात्रे को 30 अप्रैल को आबकारी एक्ट में जेल बखिल किया गया था। 12 मई को उसके व्यवहार में बदलाव आने पर उसे अस्पताल भेजा गया। इस दौरान पता चला कि सुरेश रात्रे शराब पीने का आदी था। हैरत में ही उसे दवा दी जा रही थी। आज सुबह 9:30 बजे उसकी स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इधर मृतक सुरेश रात्रे के भाई नरेश रात्रे ने तमनार पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को सुरेश को एक लॉटर शराब के साथ पकड़ा गया था।

नदी में अज्ञात शव मिलने से मची सनसनी, पुलिस कर रही जांच



हुआ था। सुबह-सुबह नदी किनारे पहुंचे लोगों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल इस घटना की सूचना जूटमिल पुलिस को दी।

आसपास के लोगों से कर रही पूछताछ

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सबसे पहले शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को तत्काल पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह व्यक्ति कौन था और यहां कैसे पहुंचा। मृतक की पहचान सुनिश्चित करना पुलिस के लिए पहली प्राथमिकता है।

आदिवासी अन्नेलाल के साथ मारपीट, पटवारी ने की बात



आदिवासी अन्ने लाल बैगा के जंगल में लकड़ी लेने जाने पर के साथ कोल माईंस के अधिकारियों द्वारा मारपीट किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक और निंदनीय है।

पुलिस ने तरुण पुष्कर के पास रोका, छीनी अर्थियां

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने क्रूज हादसे के विरोध में घेरा पर्यटन मंत्री का बंगला, 11 अर्थियां निकालीं, फिर पुलिस ने खदेड़ा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मध्य प्रदेश के जबलपुर के बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे में डूबने से 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना के लिए पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी को जिम्मेदार बताते हुए भोपाल में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को शव यात्रा निकाली। जवाहर बाल भवन से जैसे ही युवा कांग्रेस कार्यकर्ता आगे बढ़े, पुलिस ने प्रकाश तरण पुष्कर के सामने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की।

हालांकि, यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं माने और धक्का-मुक्की करने लगे। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित खत्री और प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार के नेतृत्व में निकाली गई शव यात्रा में प्रतीकात्मक तौर पर 11 अर्थियां शामिल की गईं। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक अर्थियों और लाठी-डंडों को बैरिकेडिंग की ओर फेंकना शुरू कर दिया। पुलिस ने पहले कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब वे नहीं माने तो हल्का बल प्रयोग करते हुए युवा कांग्रेसियों को खदेड़ दिया।



प्रदेश में अव्यवस्थाओं को लेकर पटवारी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

भोपाल। प्रदेश में अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में लिखा है कि अनेक घटनाएं इस विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। उन्होंने पहली घटना में छिंदवाड़ा की घटना का हवाला देते हुए लिखा है कि वहां मासूम बच्चों की मृत्यु जहरीली दवा सेवन से होना, न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह स्वास्थ्य तंत्र की भयावह स्थिति को भी उजागर करता है। वहीं, इंदौर में जहरीले पानी की आपूर्ति जैसी घटना, मूलभूत सुविधाओं के प्रबंधन में गंभीर चूक है, जहां जीवनदायिनी सेवा ही जानलेवा बन गई। इधर, हाल ही में जबलपुर में क्रूज दुर्घटना में अनेक नागरिकों की असमय मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति

अन्य (एसपी/डीसीपी/बटालियन/विशेष इकाई)

दिलीप सोनी-एसपी, आगर मालवा
राजेश वर्मा-एसपी, देहात इंदौर
विनीत मुकुल-एसपी, जिला अनुपपुर
सुरेश कुमार जैन-एसपी, मंदसौर
आशीष खरे- एसपी, जिला डिंडोरी
अंकित जायसवाल-एसपी, रेल भोपाल

राजेश रघुवंशी- एसपी, जिला मंडला
मौनीउर रहमान-सेनानी, 9वीं
वाहिनी, विसबल रीवा
शैलेन्द्र सोमवंशी-सेनानी, 13वीं
वाहिनी, विसबल ग्वालियर
मयूर खंडेलवाल-एसपी, जिला दतिया

नवीन बैच/हालिया अधिकारी	
सुरेश कुमार-एसपी, जिला सीहोर शिशिर कुमार-एसपी, सिंगरौली आलोक कावले-एसपी, दमोह कृष्ण लालचंदानी-एसपी, सिवनी आयुष गुप्ता-डीसीपी, जौन-3 भोपाल	आदित्य शुकला-डीसीपी, जौन-4 भोपाल नरेन्द्र रावत-डीसीपी, जौन-1 इंदौर संजीव रंजन-डीसीपी, जौन-3 इंदौर राहुल देशमुख-ओएसडी, राजमवल
अन्य जिला/फील्ड पोस्टिंग	
अजय जैन- एसपी, जिला खंडवा मनोज खत्री-सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल सुनील कुमार मेहता-पुलिस उपायुक्त (जोन-4), इंदौर देवेन्द्र पाटीदार-एसपी, झाबुआ नारायण प्रसाद-सहायक पुलिस	महानिरीक्षक, पीएचक्यू भोपाल नरेन्द्र रावत-डीसीपी, जौन-1 इंदौर संजीव रंजन-डीसीपी, जौन-3 इंदौर राहुल देशमुख-ओएसडी, राजमवल पंकज पाण्डे-एसपी, देहात भोपाल यशपाल यादव-एसपी, जिला पन्ना

राजस्व विभाग ने बुलाई जानकारी

भू अर्जन के जिन प्रकरणों में अंतिम अवॉर्ड पारित नहीं, उन्हें 4 गुना मुआवजा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अर्जन से जुड़े लंबित प्रकरणों में राज्य सरकार ने अब तक अंतिम अवार्ड पारित नहीं हो पाया है, उन सभी प्रकरणों में अब 24 अप्रैल के बाद चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। राजस्व विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि भूमि के अर्जन पर अब बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम 2015 में ग्रामीण क्षेत्रों के मल्टीप्लिकेशन फैक्टर का पुनर्निर्धारण किया गया है। राजस्व विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसे सभी प्रकरणों की जानकारी भेजें, जिनमें भूमि अर्जन के बाद भी अंतिम अवार्ड पारित नहीं हुआ है। नए नियम लागू होने के बाद 24 अप्रैल के पश्चात पारित होने वाले सभी अवार्ड में बढ़ी हुई दर से मुआवजा दिया जाएगा।

तत्काल प्रभाव से लागू

यह निर्णय पूरे मध्यप्रदेश में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि के बाजार मूल्य के निर्धारण में उपयोग होने वाले गुणांक (फैक्टर) को बढ़ाकर चार गुना कर दिया गया है।

किसानों को होगा लाभ

इस निर्णय से उन किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिनके भूमि अर्जन के प्रकरण अभी लंबित हैं या विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं और जिनमें अंतिम अवार्ड जारी नहीं हो सका है। अब ऐसे मामलों में भी फैक्ट्रिनेट के निर्णय के अनुसार चार गुना मुआवजा दिया जाएगा।

पुरानी भिलाई थाना पुलिस की कार्रवाई अवैध हुक्का संचालन का खुलासा, छह गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► दुर्ग

पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने चरोदा रूप से हुक्का संचालन का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में हुक्का पॉट,फ्लेवर और अन्य उपकरण सहित 13 हजार से अधिक का सामान बरामद किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चरोदा के विजय शांति हाईट्स के फ्लैट नंबर 23 में कुछ लोग अवैध रूप से हुक्का पिलाने और सेवन करने का काम कर रहे हैं।

चरोदा स्थित एक फ्लैट में अवैध रूप से हुक्का संचालन का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में हुक्का पॉट, फ्लेवर और अन्य उपकरण सहित 13 हजार से अधिक का सामान बरामद किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चरोदा के विजय शांति हाईट्स के फ्लैट नंबर 23 में कुछ लोग अवैध रूप से हुक्का पिलाने और सेवन करने का काम कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा मानकों को लेकर हुई बैठक

अस्पतालों में सुरक्षा सख्त: फायर सेफ्टी व इलेक्ट्रिकल ऑडिट अनिवार्य, कलेक्टर के निर्देश

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें अस्पतालों में सुरक्षा और सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। दिल्ली में हुई एसी विस्फोट का जिक्र करते हुए इलेक्ट्रिकल ऑडिट रिपोर्ट की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बढ़ते तापमान को देखते हुए सभी अस्पताल अपने विद्युत उपकरणों और वायरिंग की जांच गंभीरता से कराएं ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय ने पीएम राहत योजना के विस्तार पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक अस्पतालों को इस योजना से जुड़ना चाहिए ताकि जरूरतमंद मरीजों को इसका

सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने इस प्रक्रिया में पुलिस विभाग की ओर से हर संभव सहयोग करने के लिए कहा। इसी क्रम में यातायात पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंजना ने वर्तमान में योजना से जुड़े अस्पतालों की सीमित संख्या संबंध में कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों इसमें पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। सुरक्षा तकनीकी पहलुओं पर जानकारी देते हुए विद्युत विभाग के

अधिकारी ने सर्विस लाइन के रखरखाव, गुणवत्तापूर्ण वायरिंग और सही क्षमता के एमसीबी के उपयोग के महत्व को समझाया। उन्होंने विशेष रूप से लू और गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती खपत के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया।

अग्नि सुरक्षा के विषय पर नगर निगम की फायर सेफ्टी अधिकारी ने निर्देश जारी



जबलपुर को विकास की सौगात: गोहलपुर पुलिया चौड़ीकरण और नई पानी टंकी का हुआ भूमिपूजन

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में यातायात सुधार और पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्न् ने सांसद आशीष दुबे और विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। करीब 3.54 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली गोहलपुर पुलिया का चौड़ीकरण किया जाएगा, जो 80 फीट चौड़ी और 80 फीट लंबी होगी। इस परियोजना से लंबे समय से लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था सुगम होगी। जनप्रतिनिधियों ने इसे शहर के लिए “लाइफ लाइन” बताया। वहीं, महाराजा अग्रसेन

वाई स्थित चंद्रशेखर उद्यान में लगभग 76 लाख रुपये की लागत से 12 लाख लीटर क्षमता की उच्चस्तरीय पानी टंकी के निर्माण का भी शुभारंभ किया गया। इस टंकी के बनने से उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की समस्या में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य विवेकराम सोनकर, डॉ. सुभाष तिवारी, अंशुल राघवेन्द्र यादव, वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने इन विकास कार्यों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और जीवन स्तर बेहतर बनेगा।

सड़कों का निर्माण खोलता है विकास के द्वार: राकेश सिंह

जबलपुर। जबलपुर के बरगी विधानसभा के अंतर्गत बरगी से सिलुआ तक 17.65 किमी लम्बे मार्ग जिसकी लागत लगभग 50 करोड़ और पनागर विधानसभा अंतर्गत पनागर मुड़िया पडोरा सलैया तक 6.20 किमी लम्बे मार्ग जिसकी लागत लगभग 9 करोड़ है इन दोनों कार्यों को लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, इस सन्दर्भ में स्वीकृति पत्र लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने जारी किया है।

उल्लेखनीय है उक्त मार्गों के निर्माण की मांग लम्बे समय से की जा रही थी, इस मांग के दृष्टिगत लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने इसे स्वीकृति दी है और अब बरगी विधानसभा के अंतर्गत बरगी से सिलुआ तक बनने वाली यह सड़क कई गांवों को जोड़ेगी साथ ही इसके निर्माण के साथ ही क्षेत्र का



विकास तेजी से होगा,, इसी तरह पनागर विधानसभा के अंतर्गत पनागर मुड़िया पडोरा सलैया तक बनने वाली सड़क से भी क्षेत्र वासियों को राहत मिलेगी।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा किसी भी गांव या शहर में बनने वाली सड़को का निर्माण उस क्षेत्र के विकास के द्वार खोलता है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन याकव जी के नेतृत्व में हमारी सरकार हर क्षेत्र के

सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जबलपुर को लगातार सौगात मिल रही है इन्ही विकास कार्यों के सौगात की कड़ी में इन सड़को के निर्माण को भी प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। श्री सिंह ने कहा मुझे पूरी उम्मीद है कि इन सड़को के निर्माण के बाद क्षेत्र के निवासियों को आवागमन में आसानी होंगी साथ ही इससे जुड़ने वाले गांवों का भी तेजी से विकास होगा।

रंगदारी वसूलने युवक पर किया पंच से हमला

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत उज्जोरपुरवा गली नंबर 2 में शराब पीने के रुपए नहीं देने की बात पर एक बदमाश ने एक युवक के साथ मारपीट कर लोहे के पंच से हमला कर घायल कर दिया और रिपोर्ट करते पर जान से मारने की धमकी दी। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आमा चौक लार्डगंज निवासी 18 वर्षीय अनुराग जायसवाल गत रात करीब 9.30 बजे सामान खरीदकर गली नंबर 2 के मोड़ के पास पहुंचा, तभी भोलू उर्फ समीर केवट उससे शराब पीने के लिए 5 सौ रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर मारपीट कर लोहे के पंच से हमला कर आंख और कान के पास घोट पहुंचा दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296ए, 115(2), 119, 351(2), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नये मरीज भर्ती करने पर लगी रोक

हरिभूमि जबलपुर।

बरगी बांध कूज हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बचाई गई महिला से प्राथमिक उपचार देने के बाद शुल्क वसूलने की शिकायत पर गौर तिराहा स्थित नोबल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का लाइसेंस एक माह के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही इस निजी अस्पताल पर नये मरीजों को भर्ती करने पर भी रोक लगा दी गई है।

ज्ञात हो कि बरगी बांध कूज हादसे में घायल श्रीमती सविता शर्मा से नोबल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा प्राथमिक उपचार का शुल्क वसूलने से संबंधित समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुये कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जांच कर त्वरित कारवाई के निर्देश दिये थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने बताया कि इस मामले में अस्पताल प्रबंधन द्वारा श्रीमती सविता शर्मा को पेन किलर एवं टिटनस इंजेक्शन देने के बाद 4 हजार 700 रुपये का बिल प्रस्तुत किया गया था, जिसे उन्हें अपने परिजनों के माध्यम से जमा कराना पड़ा।

बरगी बांध कूज हादसे में घायल महिला से प्राथमिक उपचार का शुल्क वसूलने वाले निजी अस्पताल का लाइसेंस एक माह के लिये निलंबित



मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार आपदा की स्थिति में घायल मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनसे शुल्क लेना पूर्णतः अनुचित है। नोबल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रबंधन का यह कृत्य आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के विरुद्ध पाया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि आपदा प्रबंधन समिति के निर्देशानुसार नोबल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से एक माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर 7

दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं तथा निर्धारित समयावधि में और संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। अस्पताल प्रबंधन से श्रीमती सविता शर्मा के परिजनों को प्राथमिक उपचार की ली गई राशि भी वापस करा दी गई है। डॉ कोठारी ने बताया कि अस्पताल को वर्तमान में भर्ती मरीजों का समुचित उपचार कर उन्हें विधिवत डिस्चार्ज करने तथा आगामी एक माह तक किसी भी नए मरीज को भर्ती नहीं करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण में अव्वल बनने की पहल: फीडबैक देने पर ग्राहकों को 10% तक छूट

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से नगर निगम ने जनभागीदारी बढ़ाने की दिशा में नई पहल शुरू की है। निगमायुक्त रामकाश अहिरवार ने आयोजित बैठक में होटल, मेडिकल और बिल्डर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।



बैठक में होटल एसोसिएशन ने बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की कि जो ग्राहक स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहर के लिए सकारात्मक फीडबैक देंगे, उन्हें उनके बिल में 10 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को फीडबैक प्रक्रिया से जोड़ना है। निगमायुक्त ने कहा कि शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर-1 बनाने के लिए नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम है। उन्होंने सभी संस्थानों से अपने ग्राहकों और मरीजों को फीडबैक देने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। इसके साथ ही “Reduce, Reuse, Recycle (RRR)” अभियान को बढ़ावा देने के लिए होटल और मेडिकल एसोसिएशनों ने शहर में आरआरआर सेंटर संचालित करने की जिम्मेदारी भी ली है। इन केंद्रों पर लोग पुराना कितारें, कपड़े, खिलौने और अन्य उपयोगी सामग्री दान कर सकेंगे। बैठक में अपर आयुक्त अरविंद शाह, देवेन्द्र सिंह चौहान, उपायुक्त संभव अयाची और स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन सहित विभिन्न एसोसिएशनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर जबलपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया।

ई-रिवशा की टक्कर से बाईक सवार 2 युवक घायल

जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत खिन्नी मोहल्ला में एक ई-रिक्शा ने एक बाईक को सामने से टक्कर मार दी, जिसमें सवार दो युवक बाईक सहित नीचे गिरकर घायल हो गए। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घई मोहल्ला चेरीताल निवासी 26 वर्षीय मंगलदीप चौधरी को गत रात करीब 11 बजे क्षेत्रीय बस स्टैंड के पास दोस्त बलवंत चौधरी ने आवाज देकर रोका और अपनी बाईक में बैठाकर दुर्गई मोहल्ला घर छोड़ने जा रहा था। जैसे ही दोनों खिन्नी मोहल्ला के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहा ई-रिक्शा क्र एमपी 20 आरए 0176 के चालक ने तेजी से चलाते हुए बाईक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों रोड में गिर गये। बलवंत चौधरी को हाथ की कलाई में और मंगलदीप को आंख, दाढ़ी, गाल, गले व जांघ में चोटें लग गईं। पुलिस ने आरोपी ई रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीएम किसान हेल्पलाइन : टोल फ्री नम्बर 155253 पर किसानों को मिलेगी विशेषज्ञों से सलाह

जबलपुर। खेती से जुड़े मुद्दों पर जिले के किसान अब एक कॉल पर कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों से जरूरी सुझाव, मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शासन ने “सीएम किसान हेल्पलाइन 155253” की शुरुआत की है। किसान इस टोल फ्री नम्बर पर संपर्क कर कृषि से जुड़ी अपनी कठिनाइयों का समाधान भी प्राप्त कर सकेंगे।

ज्ञात हो कि किसानों की सहूलियत तथा खेती को सुरक्षित और लाभकारी बनाने में सहायक इस हेल्पलाइन का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा 30 अप्रैल को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया था। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की इस नवाचारी पहल से किसानों को विशेषज्ञ सलाह, योजना की जानकारी और समस्या का समाधान

उपलब्ध कराएगी। उप संचालक कृषि यू के कटहरे ने बताया कि जबलपुर जिले के किसान भी “सीएम किसान हेल्पलाइन 155253” पर फसल, आधुनिक तकनीक, उन्नत कृषि तथा केंद्र और शासन द्वारा संचालित कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक सुझाव और मार्गदर्शन कृषि

विशेषज्ञों एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दिया जायेगा। इसके साथ ही कृषि से जुड़ी किसानों की कठिनाइयों का त्वरित निराकरण भी हेल्पलाइन के माध्यम से होगा। उप संचालक कृषि ने जिले किसानों से फसलों से संबंधित अपनी कठिनाइयों, तकनीक, योजना और उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी के लिए “सीएम किसान हेल्पलाइन 155253” पर संपर्क करने का आग्रह किया है।

कलेक्टर ने की योजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को लंबित पत्रों और शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विकास और जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उपार्जन व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुसार कार्य सुनिश्चित किया जाए। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर उन्होंने आंगनवाड़ी, स्कूल और छात्रावासों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, सूखा-गीला कचरा अलग रखने के लिए डस्टबिन लगाने और नाउप बनाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने, स्कूलों में विद्यार्थियों के प्रवेश बढ़ाने और जनपद स्तर पर समग्र ई-केवाईसी कार्य की भी समीक्षा की गई। निर्माण कार्यों को लेकर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बरसात से पहले अधिकतर काम पूरे कर लिए जाएं और जो समस्याएं हैं, उनका जल्द समाधान किया जाए। जल गंगा संवर्धन अभियान को जमीन पर प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि गर्मी में कहीं भी पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सरपंच और सचिवों के साथ बैठक कर समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में बाल आरोग्य संवर्धन, वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टा वितरण और जहां जगह उपलब्ध हो वहां स्कूल परिसरों में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू करने को लेकर भी निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित पत्रों और सीएम हेल्पलाइन के मामलों की समीक्षा कर जल्द निराकरण करने को कहा गया। बैठक में नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान बरगी कूज हादसे में मृत लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

घर में घुसकर गमले तोड़े, दी जान से मारने की धमकी

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत जेडीए ज़ोरो डिग्री में एक घर में घुसकर दो अज्ञात बदमाशों ने घर की खिड़की दरवाजे व गमले तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिए और पिता पुत्र को जान से मारने की धमकी दी। बताया गया है कि आरोपी लड़का अपनी गर्लफ्रेंड के साथ युवक के घर के सामने अशोभनीय हरकत कर रहा था, जिसे मना किया तो आरोपी अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर घर में घुसा और डंडे व ईंट से तोड़फोड़ कर दी।

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेडीए ज़ोरो डिग्री निवासी 28 वर्षीय निशांत अहिरवार के घर के पास रोड में शाम 6.30 बजे एक लड़का और एक लड़की स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एक्सए 9276 में आए और रोड में खड़े होकर अशोभनीय हरकत करने लगे। निशांत ने उस लड़के को बोला कि आप लोग उसके घर के पास से दूर मेन रोड पर चले

घर के सामने अश्लील हरकत पर विवाद

जाओ तब वह लड़का बोला की तुम्हारे घर के सामने नही बाजू मे खड़ा हूँ जमीन तेरी नहीं है धक्का देकर वहां से चला गया। फिर शाम करीब 7.40 बजे अपने अन्य साथी के साथ डंडे और ईंट लेकर उसके घर के सामने आये और गालीगलौज कर मेन गेट पर डंडा मारते हुए गेट की कुंडी निकालकर घर के पोच में आकर घर के हॉल का जाली वाला दरवाजा एवं खिड़की के कांच को ईंट से व डंडे से तोड़फुड़ कर दिये और हॉल के अंदर घुसकर गमले में तोड़फोड़ कर दिए। निशांत अपना बचाव करते हुए दूसरे कमरे में भाग गया, निशांत के पिता ने बीच बचाव किया तो अज्ञात आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296ए, 324(2), 332 सी 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।



आयकर विभाग ने कर्मचारियों और अधिकारियों ने किया धरना प्रदर्शन

जबलपुर। आयकर विभाग कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों ने आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के संयुक्त नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर आवाज उठाई। “हक नहीं तो काम नहीं”, “वादा निभाओ, अधिकार दिलाओ” का नारा लगाया। समस्याओं के समाधान नहीं होने पर कर्मचारियों में भारी रोष और निराशा व्याप्त है। मांग की गई है कि केडर रिक्त को तत्काल पूरा कर पदोन्नति में ठहराव समाप्त किया जाए, 2014 बैच के पीआर अधिकारियों की वरिष्ठता और प्रमोशन संबंधी विसंगतियों को दूर किया जाए। आईआरएस नियमों में आवश्यक संशोधन करने, इंस्पेक्टर, ओएस और टीए के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में सुधार तथा आईसीटी नीति को पुनः प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की गई है।



खबर संक्षेप

एचएफसीएल को निजी दूरसंचार से मिला ठेका



नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को एक प्रमुख घरेलू निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी से 84.23 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका 'ऑप्टिकल फाइबर केबल' की आपूर्ति के लिए है और इसे कंपनी की अनुषंगी एचटीएल लिमिटेड के साथ मिलकर प्राप्त किया गया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का लाभ 70 प्रतिशत बढ़ा



नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 70 प्रतिशत बढ़कर 649.88 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि में 381.99 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में कुल आय बढ़कर 3,806.65 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,681.06 करोड़ रुपये थी।

सीएसबी बैंक के मुनाफे में छह फीसदी की वृद्धि



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 202 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 190 करोड़ रुपये था। तिमाही में उसकी शुद्ध व्याज आय (एनआईआई) या मुख्य आय 25 प्रतिशत बढ़कर 464 करोड़ रुपये हो गई।

एथर एनर्जी का शुद्ध घाटा 57 फीसदी घटा



मुंबई। एथर एनर्जी का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध घाटा 57 प्रतिशत घटकर 100.23 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले वर्ष समान अवधि में 234.36 करोड़ रुपये था। बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता कंपनी पिछले साल मई में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 74 प्रतिशत बढ़कर 1,174.66 करोड़ रुपये हो गई।

अंबुजा सीमेंट्स का लाभ 37% बढ़कर 1,857 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। अदानी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (एसीएल) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 37.43 प्रतिशत बढ़कर 1,857.43 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 1,351.46 करोड़ रुपये था।

एक्साइड का लाभ 15% बढ़कर 217 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। बैटरी विनिर्माता कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 216.73 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 187.91 करोड़ रुपये रहा था। एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 4,735.13 करोड़ रुपये रही जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,335.42 करोड़ रुपये थी।

यूपीआई ट्रांजेक्शन में गिरावट, होने लगा मोहभंग? 2026 में पहली बार घटा आंकड़ा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

यूपीआई ट्रांजेक्शन को लेकर हाल ही में जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने डिजिटल भुगतान की रफ्तार को ले कर एक नई बहस छेड़ दी है। मार्च 2026 में जहां यूपीआई ने 2016 में लांच होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड बनाया था, वहीं अप्रैल 2026 में इसकी रफ्तार में थोड़ी गिरावट दिखाई दी है। अचानक यूपीआई ट्रांजेक्शन में आई इस कमी ने सबको हैरान कर दिया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 में ट्रांजेक्शन वॉल्यूम और वैल्यू दोनों ने बड़ा रिकार्ड दर्ज किया था। लेकिन बाद में यह सवाल उठने लगा है कि क्या लोगों का होने लगा मोहभंग है या यह सिर्फ एक नॉर्मल उतार-चढ़ाव है।

- यूरिया और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा
- खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है
- मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह यह कहा। उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अर्पणा एफ शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयी सम्मेलन में कहा, "हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।"

उर्वरकों की उपलब्धता अच्छी और स्थिर

शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है। मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं।

आरबीआई की चेतावनी, कर्ज माफी वाले भ्रामक दावे से रहें सावधान

एजेंसी ►► मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कर्ज माफी का झांसा देने वाले अनधिकृत और भ्रामक अभियानों से जनता को सावधान रहने को कहा। साथ ही ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से दूर रहने की सलाह दी।

केंद्रीय बैंक ने कहा, "आरबीआई ने विभिन्न माध्यमों और प्रत्यक्ष संपर्क के जरिए कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे ऐसे अभियानों के लगातार सामने आने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।" आरबीआई ने दिसंबर 2023 में जारी अपनी इसी तरह की चेतावनी को भी दोहराया।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऐसे अभियान न केवल आम लोगों को गुमराह करते हैं, बल्कि देश की ऋण प्रणाली के सुचारु संचालन में भी बाधा डालते हैं। इन अभियानों में बैंकों या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के बकाया ऋण

माफ करने के झूठे वादे, कर्ज माफी प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज जारी करने का दावा और सेवा या कानूनी शुल्क के नाम पर लोगों से पैसे वसूलना शामिल है।

आरबीआई ने कहा, "यह दोहराया जाता है कि ऐसी सेवाएं देने का दावा करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं के सभी दावे झूठे और भ्रामक हैं तथा उनके खिलाफ लागू कानूनों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।"

सूचना तुरंत कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें

केंद्रीय बैंक ने कहा, "इसलिए आम जनता से अनुरोध है कि वे ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से किसी भी प्रकार का संबंध न रखें और उनकी सेवाएं न लें। अपने रहने से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए सीधे अपने वित्तीय संस्थानों से संपर्क करें। आरबीआई ने लोगों को सलाह दी है कि इस तरह के किसी भी भ्रामक अभियान की सूचना तुरंत संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें।

अमेरिका-ईरान तनाव के कारण भारत की अर्थव्यवस्था गड़बड़ा गई है

भारत विदेशों से अपना सोना वापस ला रहा, वित्तीय बाजारों में हलचल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

यूएस और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। इसी वजह से भारत की अर्थव्यवस्था भी गड़बड़ा रही है। तनाव की स्थिति इस कदर बिगड़ रही है कि अब भारत अपनी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तेज हो गया है। इसके लिए विदेशों में रखा भारत का सोना वापस लाया जा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर को ये डर है, कि अन्य देशों में रखा उनका सोना सुरक्षित है या नहीं। ऐसे में सभी अन्य देश इसको जुगत में लगे हैं।

यूपीआई के 2016 में लांच होने के बाद पहली बार आई गिरावट

फास्टेग लेनदेन 1.6 फीसदी घटा

फास्टेग लेनदेन में भी करीब 1.6% घटकर 358 मिलियन तक रह गए, जबकि इसका मूल्य 2% घटकर करीब 7,025 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसी तरह आधार सक्षम भुगतान प्रणाली में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिला, जहां लेनदेन की संख्या करीब 15% और मूल्य में 14% की गिरावट दर्ज की है।

मार्च के रिकॉर्ड के बाद अप्रैल में गिरावट

अप्रैल 2026 में यूपीआई ट्रांजेक्शन का कुल मूल्य 1.7 फीसदी घटकर 29.03 ट्रिलियन रुपए रह गया, जबकि मार्च में यह 29.53 ट्रिलियन रुपए का कारोबार था। सिर्फ वैल्यू ही नहीं, बल्कि ट्रांजेक्शन की संख्या (वॉल्यूम) भी घटकर 22.35 ट्रिलियन पर आ गई है।

सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान

पश्चिम एशिया संकट: बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

अस्थायी बंद संयंत्र फिर से होगे चालू

शर्मा ने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है।

समय से पहले स्टॉक किया जाएगा जमा

अधिकारियों के अनुसार यह बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने की रणनीति को बताता है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय स्तर पर स्टॉक जमा करने के अलावा, जिलों के भीतर इसके पुनर्वितरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की ही रहेगी।

आपातकालीन प्रकोष्ठ होगा स्थापित

शर्मा ने कहा, "हम राज्यों के साथ नियमित बैठकें कर रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम नजदीक आएगा, पुनर्वितरण से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए एक चौबीस घंटे संचालित होने वाला आपातकालीन प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा।"

घरेलू उत्पादन का लक्ष्य तय

इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

रुपया पहुंचा अब तक के सबसे निचले स्तर पर

एजेंसी ►► मुंबई

रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फूर्ति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं

में 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की गिरावट है।

बीएचईएल का लाभ ढाई गुना बढ़कर 1,290 करोड़...

की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 504.45 करोड़ रुपये रहा था। बीएचईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 12,553.50 करोड़ रुपये हो गई जो 2024-25 की इसी तिमाही में 9,142.64 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बिजली क्षेत्र से राजस्व 9,509.85 करोड़ रुपये रहा जो जनवरी-मार्च 2025 में 6,192.41 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 1,600.26 करोड़ रुपये रहा।

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ ढाई गुना से अधिक होकर 1,290.47 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25

विशेषज्ञों की राय और डिजिटल भुगतान का भविष्य

कैशप्री पेमेंट्स के सीईओ आकाश सिन्हा ने कहा, "यह मांग में कमी नहीं, बल्कि मौसमी प्रभाव है।" उनके मुताबिक, वॉल्यूम के साथ-साथ वैल्यू में तेज वृद्धि यह संकेत देती है कि लोग अब यूपीआई का इस्तेमाल बड़े और ज्यादा भरोसेमंद पेमेंट के लिए भी कर रहे हैं। इसी तरह पेनियरबाय के फाउंडर और सीईओ आनंद कुमार का कहना है कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बड़े पैमाने पर लगातार मजबूत हो रहा है और यूपीआई अब आम लोगों की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बन चुका है।

डिजिटल पेमेंट में गिरावट या मौसमी असर?

मले ही हालिया आंकड़े पहली नजर में काफी चिंता पैदा करने वाले लग रहे हैं, लेकिन सिक्के के दूसरे पहलू की कहानी कुछ और ही बघा करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट किसी बड़ी मंदी का संकेत नहीं, बल्कि मार्च इफेक्ट का परिणाम है। मार्च 2026 में वित्तीय वर्ष की समाप्ति के कारण लेनदेन में अचानक उछाल आया था, जिसने उस महीने इतिहास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। धीरे-असल अप्रैल में जो गिरावट आई थी वह उसी ऊँची छलांग के बाद की एक सामान्य स्थिरता माना जा रहा है।

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

एजेंसी ►► मुंबई

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मास्रित सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्र बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार में आगे तेजी की संभावना

मोतीलाल ओस्वाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, "बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बने रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नकमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्थिरता पर आधारित रहेगा।

डॉलर की निरंतर मांग से रुपए पर दबाव :

एफमार ने कहा, "डॉलर की निरंतर मांग से अपेक्षाएं में रुपये पर दबाव बने रहने के आसार हैं जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया 95.35 से 95.70 के स्तर के बीच रह सकता है।" इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाते वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.26 पर रहा।

सरकार का अमी तेल कंपनियों को राहत देने का प्रस्ताव नहीं

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की खुदरा बिक्री पर सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए वित्तीय समर्थन देने का सरकार के पास फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, "तेल विपणन कंपनियों को उनके नुकसान के लिए समर्थन देने का कोई भी प्रस्ताव सरकार के समक्ष नहीं है।"

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) पिछले दो महीनों से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद बढ़ा रही हैं। कच्चे तेल की लागत बढ़ने और खुदरा दाम में स्थिरता की वजह से इन पेट्रोलियम कंपनियों को प्रति लीटर 25-28 रुपये तक का 'अंडर-रिकवरी' (लागत से कम कीमत पर बिक्री) झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा, कंपनियों को दो दशक से अधिक समय में पहली बार एटीएफ पर भी घाटा उठाना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतों में समुचित बढ़ोतरी नहीं की गई है। पिछले महीने घरेलू एटीएफ कीमतों में 25 प्रतिशत वृद्धि की गई थी, जबकि अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए मई में इसका दाम 5.33 प्रतिशत बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दिया गया। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत सात मार्च को 60 रुपये बढ़ाई गई थी, लेकिन यह लागत में हुई बढ़ोतरी की पूरी भरपाई नहीं कर पा रहा है।

औद्योगिक उपयोग वाले डीजल व एलपीजी के दाम बढ़ाए गए

औद्योगिक उपयोग वाले डीजल और वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं जो कुल खपत का केवल 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, "उद्योगों को संरक्षण देने के लिए हरसंभव प्रयास किया गया है। कीमतों में बदलाव का फैसला करते समय उद्योगों को के हितों को ध्यान में रखा गया है।" शर्मा ने कहा कि तेल विपणन कंपियों की तरफ से कदम महंगाई पर काबू पाने की गंशा से उठाए गए हैं।



चिंतन नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकारा

पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों से साफ है कि इस बार जनता ने नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। इन चुनावों में रिकॉर्ड मतदान ने साफ कर दिया है कि मतदाता अब केवल नारों, आरोप-प्रत्यारोप और नकारात्मक राजनीति से प्रभावित होने वाला नहीं है, बल्कि वह ठोस काम, स्थिरता व विश्वसनीय नेतृत्व को प्राथमिकता देता है। एसआईआर के बीच हुए इन चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता अब जागरूक है और मतदान में बढ़ चढ़कर भाग लेती है। सबसे पहले अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां सत्तारूढ़ दल टीएमसी व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार हमलावर रही। उन्होंने हर उस काम में अड़ंगा डाला जो जनता के हक में था। चाहे वह चुनाव आयोग हो, एसआईआर का काम हो या अर्थसैनिक बल। ममता ने इन सभी को निशाना बनाया और नकारात्मक राजनीति की। इसका परिणाम यह रहा कि उनकी पार्टी अपने ही गढ़ में मात खा गई। असम और पुडुचेरी में भी भाजपा और उसके सहयोगी दलों की जीत ने सकारात्मक राजनीति की जीत और नकारात्मक राजनीति (या विपक्षी नैरेटिव) की हार का संकेत दिया है। इन दोनों राज्यों में, भाजपा ने ‘सुशासन’ और ‘विकास’ का मुद्दा उठाया, जबकि विपक्ष पर नकारात्मक एजेंडा चलाने का आरोप लगा। परिणामों से स्पष्ट है कि जनता ने विकास की राजनीति को चुना। तमिलनाडु में भी द्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) के नेतृत्व वाली सत्ताधारी गठबंधन के लिए एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक नकारात्मक राजनीति या मतदाताओं द्वारा सत्ता विरोधी रुख के रूप में देख रहे हैं। यहां लोगों ने एम स्टालिन को नकार दिया और दक्षिण भारतीय फिल्म सुपरस्टार विजय को नई पार्टी, तमिलनाा वेंट्री कडगम (टीवीके) ने चुनाव में सबको चौंकाते हुए जीत दर्ज की है। टीवीके को पारंपरिक पार्टियां (डीएमके और एआईएडीएमके) के लिए एक नई चुनौती बनकर उभरी है। टीवीके ने गठन के मात्र दो साल में की सत्ता हासिल कर सबको चौकाया है। जनता ने सत्ता में एकाधिकार को तोड़कर एक नए विकल्प की चुना है, जिससे यह संदेश जाता है कि पारंपरिक राजनीति के खिलाफ लोग एकजुट हो रहे हैं। इसके अलावा, केरलम में भी 10 साल के शासन के बाद, जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया, जिससे पिनाराई विजयन की एलडीएफ सरकार को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने मतदाताओं के असंतोष, नौकरी और महंगाई जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिसे जनता ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। अब चुनाव जीतने वाले दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे जनता से किए गए वादों पर खरा उतरें और जवाहित में बिना किसी भेदभाव के काम करें। इस बार देखा जा तो तमिलनाडु में टीवीके को छोड़ दें तो किसी भी राज्य में क्षेत्रीय दल को सफलता नहीं मिली है। चार राज्यों में राष्ट्रीय दलों पर ही जनता ने भरोसा जताया है। केरल में एलडीएफ की हार के साथ ही भारत में वामपंथी शासन का अंतिम और मजबूत किला भी गिर गया है। अब किसी भी राज्य में वामपंथी सरकार नहीं है। अब भाजपा और उसके सहयोगी दल (एनडीए) देश के 23 राज्यों में सत्ता में है। अंततः, चुनाव परिणामों ने यह स्थापित किया है कि सकारात्मक लोकतंत्र में अब ‘परफॉर्मेंस पॉलिटिक्स’ का दौर मजबूत हो रहा है। जनता अब सवाल पूछ रही है, काम का हिसाब मांग रही है और उसी आधार पर अपना फैसला सुना रही है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है और राजनीतिक दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश नकारात्मकता नहीं, काम ही असली चुनावी हथियार है।

जनादेश राजेंद्र बज



अब जिम्मेदारियों को भी समझने की जरूरत

सभी पांच चुनावी राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए। अब जनादेश के अनुरूप अलग-अलग राजनीतिक दलों को अलग-अलग भूमिका का निर्वहन करना है। चुनावी दौर में तमाम तरह के आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, लेकिन अब व्यक्तिगत कटुता भाव को सर्वथा तिलांजलि देकर अपनी-अपनी नीति और सिद्धांतों के आधार पर विभिन्न राजनीतिक दलों को व्यापक जनहित की दिशा में अपनी ऊर्जा और चेतना का उपयोग करना होगा। वैचारिक मतभेद चाहे लाख रहे, लेकिन अब लोकतंत्र की राजनीति में व्यक्तिगत कटुता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोकतंत्र की मूल भावना तार-तार हो सकती है।इस बार देखा गया है कि प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों के शीर्ष नेतागण चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक शैली में नजर आए। सार्वजनिक सभाओं में शीर्ष राजनेताओं ने जिस प्रकार की शब्दावली का उपयोग करते हुए अपने दल के पक्ष में प्रचार किया, वह शब्दावली उनके पद की मर्यादा और गरिमा के अनुरूप नहीं थी। कदाचित् देश में किसी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान इस प्रकार की भाषा का इतना व्यापक प्रयोग पहले कम ही देखने को मिला होगा। हालांकि इस स्थिति के लिए किसी दल विशेष या नेता विशेष को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। दरअसल, कहीं किसी कोने से एक शुरुआत होती है, चटनुसार ईंट का जवाब पथर से देने की होड़ मच जाती है।आमतौर पर होता यह है कि जो जिस भाषा और लहजे में बात करता है, प्रत्युत्तर में उसे उसी भाषा और लहजे में जवाब देना आवश्यक समझ लिया जाता है। लेकिन फिर भी जिम्मेदार पदों पर आसीन शख्सियत से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि वह अपने पद और कद की मर्यादा का परिपालन करें। इसके अभाव में दिनोंदिन विकृत होती जा रही राजनीति में और भी अधिक गिरावट आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

विधानसभा चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के चलते देश और दुनिया ने देखा कि किस प्रकार की भाषा और शैली में प्रचार किया गया। कहा तो यह जाता है कि राजनीति में मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। लेकिन व्यक्तिगत तौर पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला इस कदर बढ़ा कि यह स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद की सीमाओं को लांघता हुआ प्रतीत हुआ। दरअसल होना यह चाहिए कि वास्तविक लड़ाई नीति और सिद्धांतों को लेकर हो, जिसमें व्यक्तिगत विरोध या कटुता का कोई स्थान न हो। यही संदेश नागरिकों के बीच जाना चाहिए। वास्तव में यह समझने लायक बात है कि प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दल कम से कम एक समान उद्देश्य के लिए तो प्रतिबद्ध हैं और वह है अधिकतम जनकल्याण। यही लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है, जिसे हर राजनेता को अपने आचरण और व्यवहार में उतारना चाहिए।इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सत्ता केवल एक माध्यम है, जिसके जरिए आम नागरिकों का जीवन सरल और सहज बनाया जा सकता है। हर नीति, हर निर्णय और हर योजना का अंतिम लक्ष्य नागरिकों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना होना चाहिए। जिसे शाब्दिक रूप में “सबका साथ, सबका विकास” जैसे विचार से समझा जा सकता है।यहां यह गौर करने योग्य है कि तमाम प्रतिद्वंद्वी दलों और उनके नेताओं का घोषित लक्ष्य मूलतः समाज ही है। अंतर केवल उसे हासिल करने के तरीकों में है। ऐसे में चुनावी प्रतिस्पर्धा को व्यक्तिगत शत्रुता में बदलना लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। इस प्रवृत्ति पर अब विराम लगना ही चाहिए।इसके साथ ही, राजनीतिक दलों को यह भी समझना होगा कि आज का मतदाता पहले से कहीं अधिक जागरूक और सजग है। वह केवल भाषणों या भावनात्मक अपीलों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि काम, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देता है। इसलिए चुनाव के बाद की राजनीति में संयम, संवाद और सहयोग की संस्कृति विकसित करना समय की मांग है। कुल मिलाकर, अब जबकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और जनता ने राजनीतिक जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा कर दिया है, ऐसे में सभी दलों और उनके नेताओं को व्यक्तिगत कटुता भुलाकर अपने वादों और इरादों को पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए। सच कहा जाए तो जब राजनीति में शालीनता, संवाद और जनसेवा का भाव मजबूत होगा, तभी हमारे लोकतंत्र की वास्तविक खूबसूरती निखरकर सामने आएगी और विश्व पटल पर भारत एक आदर्श लोकतंत्र के रूप में और अधिक प्रतिष्ठित होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



चुनाव परिणाम डॉ . धनश्याम बादल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बृथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ईडी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया। असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कामगो जैद सीमित नहीं राखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्राय: मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कोशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।



करंट अफेयर

अटलांटिक में क्रूज पर संदिग्ध हंता वायरस का प्रकोप

अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्रूज का संचालन करने वाली नीदरलैंड की कंपनी के मुताबिक, जहाज फिलहाल अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित द्वीपीय देश कप वर्ड के पास खड़ा है। स्थानीय प्रशासन सहायता कर रहा है, लेकिन किसी को भी जहाज से उतरने की अनुमति नहीं दी गई है। कंपनी के अनुसार, बीमार लोगों में शामिल चालक दल के दो सदस्यों को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि क्रूज पर 150 पर्यटक सवार थे।

सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का सच

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताजा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम

बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बृथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ईडी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया।

असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कामगो जैद सीमित नहीं राखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि

नेतृत्व मजबूत हो और योजनाएं जमीन पर दिखें, तो एंटी-इनकंबेंसी को हराया जा सकता है।

पुडुचेरी का जनादेश छोटे राज्य का बड़ा संकेत है। यहां मतदाता ने स्थिरता को प्राथमिकता दी। गठबंधन की राजनीति का सफल प्रयोग यह दिखाता है कि जब स्थानीय नेतृत्व और राष्ट्रीय समर्थन का संतुलन बनता है, तब परिणाम अनुकूल हो सकते हैं। विपक्ष यहां एक स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि देने में विफल रहा। नतीजा यह हुआ कि मतदाता ने प्रयोग करने के बजाय स्थायित्व को चुना। यह संकेत पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है कि गठबंधन तभी सफल होता है जब उसमें स्पष्ट नेतृत्व और साझा एजेंडा हो।



अब केरल के परिणाम सत्ता के चक्र को दर्शाते हैं। यहां मतदाता ने फिर सिद्ध किया कि कोई भी दल सत्ता को स्थाई डेरा न समझे। लंबे समय तक शासन करने के बाद स्वाभाविक प्रमाद और नीतिगत असंतोष ने सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। कांग्रेस ने इस अवसर को पहचाना, अपने संगठन को पुनर्गठित किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाया। इसके अलावा, राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का चरित्र ऐसा है कि मतदाता संतुलन बनाए रखना चाहता है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए राहत का संकेत है, लेकिन स्थायी पुनरुत्थान का प्रमाण नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसे उसे आगे भी साबित करना होगा।

तमिलनाडु का जनादेश इन सभी राज्यों में सबसे चौंकाने वाला और दूरगामी प्रभाव वाला है। दशकों से चली आ रही दो-दलीय राजनीति को मतदाता ने एक झटके में चुनौती दे दी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अब विकल्प चाहती है, और यदि पारंपरिक दल उस विकल्प को देने में विफल रहते हैं, तो वह नए नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए

तैयार है। करिश्माई नेतृत्व, युवा मतदाताओं का समर्थन और परंपरागत दलों के प्रति उदासीनता इन तीनों ने मिलकर एक नई राजनीतिक ताकत को जन्म दिया। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगी; इसका असर अन्य राज्यों की राजनीति पर भी पड़ेगा, जहां लंबे समय से एक ही तरह की सत्ता संरचना बनी हुई है।इन पांचों राज्यों के परिणामों को समग्र रूप से देखें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है। मतदाता अब अधिक सजग, अधिक मांग करने वाला और अधिक निर्णायक हो चुका है। वह न तो केवल वादों से प्रभावित होता है और न ही केवल भावनात्मक अपील से। उसे ठोस काम चाहिए, स्पष्ट नेतृत्व चाहिए और विकल्प चाहिए।

यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को जवाबदेह बनाता है। राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर इन परिणामों का प्रभाव गहरा होगा। एक ओर जहां सत्ताधारी दल इस परिणाम से उत्साहित होकर आगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी जीत का परचम लहराने के लिए हर संभव रणनीति अपनाएगा, वहीं विपक्ष को भी यह संदेश मिला है कि यदि वह संगठित हो, रणनीति स्पष्ट रखे और जमीनी मुद्दों को उठाए, तो वह वापसी कर सकता है। साथ ही, क्षेत्रीय और नए दलों का उभार यह दिखाता है कि

भारतीय राजनीति अब बहुध्रुवीय होती जा रही है। यह प्रवृत्ति आने वाले लोकसभा चुनावों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है। इसके अलावा, इन चुनावों ने यह भी साबित किया है कि डिजिटल मीडिया, सोशल प्लेटफॉर्म और जमीनी अभियानों का संतुलित उपयोग अब चुनावी सफलता का नया सूत्र बन चुका है। मतदाता तक सीधी पहुंच, पारदर्शिता और त्वरित संवाद ने राजनीतिक दलों की कार्यशैली को बदल दिया है। अब केवल बड़े मंचों की रैलियां ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे संवाद, स्थानीय मुद्दों पर फोकस और विश्वसनीयता की छवि भी निर्णायक भूमिका निभा रही है। अस्तु, कहना गलत नहीं होगा कि 2026 के ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के “परिपक्वता चरण” का संकेत हैं। यहां मतदाता ने सत्ता को संदेश दिया है काम करो, वरना जाओ। यह संदेश जितना सरल है, उतना ही कठोर भी। अब राजनीति में टिके रहने के लिए केवल नारे नहीं, परिणाम देने होंगे; चेहरे नहीं, विश्वसनीयता चाहिए। यही इस जनादेश का सार है व यही भविष्य की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

क्या आपकी दुकान में ईश्वर मिलेंगे?

आठ साल का एक बच्चा एक रुपए का सिक्का मुट्ठी में लेकर एक दुकान पर जाकर कहा- क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे?दुकानदार ने यह बात सुनकर सिक्का नीचे फेंक दिया और बच्चे को निकाल दिया। बच्चा पास की दुकान में जाकर 1 रुपए का सिक्का लेकर चुचाप खड़ा रहा। लेकिन, उस अबोध बालक ने हार नहीं मानी। एक दुकान से दूसरी दुकान, दूसरी से तीसरी, ऐसा करते करते कुल चालीस दुकानों के चक्कर काटने के बाद एक बूढ़े दुकानदार के पास पहुंचा। उस बूढ़े दुकानदार ने पूछा: तुम ईश्वर को क्यों खरीदना चाहते हो? क्या करोगे ईश्वर लेकर? बच्चे ने बड़े उत्साह से उत्तर दिया: इस दुनिया में मां के अलावा मेरा और कोई नहीं है। मेरी मां दिनभर काम करके मेरे लिए खाना लाती है। मेरी मां अब अस्पताल में हैं। अगर मेरी मां मर गई तो मुझे कौन खिलाएगा ? डाक्टर ने कहा है कि अब सिर्फ ईश्वर ही तुम्हारी मां को बचा सकते हैं। क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार- हां, मिलेंगे। कितने पैसे हैं तुम्हारे पास? बच्चा: सिर्फ एक रुपए। बच्चे की मां का अप्रेशन हुआ। और बहुत जल्द ही वह स्वस्थ हो उठीं। डिस्चार्ज के कागज पर अस्पताल का बिल देखकर उस महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन देकर कहा: टेंशन की कोई बात नहीं है। एक वृद्ध सज्जन ने आपके सारे बिल चुका दिए हैं। साथ में एक चिट्ठी भी दी है। महिला चिट्ठी खोलकर पढ़ने लगी, उसमें लिखा था, मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको तो स्वयं ईश्वर ने ही बचाया है.. मैं तो सिर्फ एक जरिया हू।



जहां रथाना प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, वह बंगाल हमारा है। पश्चिम बंगाल की देशभक्त जनता को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के लिए हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद। यह जनादेश राष्ट्रवाद और विकास के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है।-**स्वागत चौधरी**, सीएन बिहार

कांग्रेस केरल की जनता को हार्दिक धन्यवाद देती है कि उन्होंने यूडीएफ को गारी बहमत से सेवा का मौका दिया है। हमारी मित्रदेशी दल फहावते है और केरल की जनता ने जो विश्वास हम पर जताया है, हम उन पर खरा उतरेगे।-**जयराम रमेश**, कांग्रेस महासचिव

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल: edit@haribhoomi.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अमेरिका ने चालक दल को पाकिस्तान पहुंचाया

इस्लामाबाद। अमेरिका ने अपने सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी जहाज पर हिरासत में



रखे गए चालक दल के 22 सदस्यों को विश्वास-बहाली उपाय के तहत पाकिस्तान भेज दिया है। विदेश कार्यालय ने सोमवार एक बयान में जानकारी दी। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार समूह के जहाज 'एमवी टैस्का' को 19 अप्रैल को ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के तट पर अमेरिकी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं।

ओक्लाहोमा सिटी के पास गोलीबारी, 12 घायल

वॉशिंगटन। ओक्लाहोमा सिटी के पास एक झील पर आयोजित पार्टी में रविवार रात हुई गोलीबारी में कम



से कम 12 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार रात करीब नौ बजे आर्केडिया झील के पास युवाओं के एक जमावड़े में गोली चलने की सूचना मिली। उन्होंने रविवार देर रात बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से बेहद भयावह स्थिति है और हम जनता तथा प्रभावित लोगों की चिंता को समझते हैं।

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल ही में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में



18 लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

नेपाल को भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया करारा जवाब

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत सरकार की तरफ से कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किए जाने पर नेपाल की बालेन सरकार ने जहां कड़ा विरोध जताया है वहीं, अब भारत सरकार ने भी करारा जवाब दे दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ-साफ कहा है कि यह कोई नई बात नहीं है। लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है और इस मार्ग से यात्रा दशकों से जारी है। इस संबंध में भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट और सुसंगत रहा है।

फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए एक नई पहल की घोषणा

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया संघर्ष को हल करने के उद्देश्य से ईरान द्वारा पेश किए गए नए प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार ट्रंप ने कहा- यह मेरे लिए नाकाफी है। मैंने इसे पढ़ा है और यह अस्वीकार्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नवीनतम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। ट्रंप ने इस प्रस्ताव को स्वीकार्य नहीं किया है।

ईरान के नए प्रस्ताव ने पलटा खेल, संतुष्ट नहीं ट्रंप

एजेंसी ►► नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नवीनतम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। ट्रंप ने इस प्रस्ताव को स्वीकार्य नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन उनके प्रस्ताव से वे संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने कुछ बातों पर अपनी आपत्ति जताते हुए कहा कि कुछ चीजें हैं जिनसे मैं सहमत नहीं हो सकता।

होर्मुज के पास यूएस कमांडर ब्रैड कूपर का दौरा



पर हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इससे पहले सेंटकॉम ने कहा था कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की योजना प्रोजेक्ट फ्रीडम को लागू करेगा। इस योजना का मकसद होर्मुज में फंसे व्यापारिक जहाजों को फिर से सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ाना है।

एजेंसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसका नाम 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' रखा है। ट्रंप ने दावा किया है कि यह पहल दुनिया भर के उन देशों के लिए है, जिन्होंने अमेरिकी सहायता मांगी है ताकि वे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से अपने जहाजों को सुरक्षित निकाल सकें। डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रूथ सोशल' पर एक पोस्ट में बताया कि दुनिया भर के कई देशों ने अमेरिका से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे अपने जहाजों की सुरक्षित निकालने में मदद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये देश पश्चिम एशिया में चल रहे विवाद में किसी भी तरह से शामिल नहीं हैं।



तेहरान-अमेरिका के बीच फिर बढ़ रहा है तनाव

ट्रंप ने ईरान के नए प्रस्ताव को सिरे से नकारा, यह मुझे स्वीकार्य नहीं

ट्रंप ने कुछ बातों पर अपनी आपत्ति जताई



होर्मुज के पास यूएस कमांडर ब्रैड कूपर का दौरा



पर हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इससे पहले सेंटकॉम ने कहा था कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की योजना प्रोजेक्ट फ्रीडम को लागू करेगा। इस योजना का मकसद होर्मुज में फंसे व्यापारिक जहाजों को फिर से सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ाना है।

मैं उनके प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हूं: ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी प्रस्तावों का ब्योरा नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी ईरान के साथ बातचीत की है। देखते हैं क्या होता है, लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि मैं खुश नहीं हूं। उन्हें सही समझौता करना होगा। फिलहाल, मैं उनके प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हूं। राष्ट्रपति ने कहा, हम बातचीत के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम फ़ोन पर बात कर रहे हैं, उन्होंने (ईरान ने) कुछ कदम आगे बढ़ाए हैं, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि वे किसी समझौते पर पहुंच पाएंगे। ट्रंप ने कहा, 'सनक भरे लोगों' को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने फिर दोहराया कि 'ईरान की नौसेना को नष्ट किया जा चुका है और उसके 159 जहाज समुद्र की तलहटी में डुबो दिए गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया मानवीय प्रयास

ट्रंप ने इस पहल को एक मानवीय प्रयास बताया, जिसका उद्देश्य चालक दल और वाणिज्यिक शिपिंग की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा, यह अमेरिका, पश्चिम एशियाई देशों और विशेष रूप से ईरान की ओर से एक मानवीय इशारा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई जहाजों में भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री की कमी हो रही है, जो बड़े चालक दल के सदस्यों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ तरीके से वहां रहने के लिए जरूरी है।

सोमवार से शुरू हुआ अभियान
'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत जहाजों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया सोमवार सुबह (पश्चिम एशियाई समय) से शुरू हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनके प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम उन लोगों, कंपनियों और देशों को मुक्त करने के लिए है जिन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ये लोग परिस्थितियों के शिकार हैं।

ट्रंप ने दखलंदाजी पर दी सख्त चेतावनी
राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मानवीय प्रक्रिया में किसी भी तरह की दखलंदाजी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा, अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में बाधा डाली जाती है, तो दुर्भाग्य से उस हस्तक्षेप से बलपूर्वक निपटना होगा।

एलपीजी की कालाबाजारी पर नियंत्रण लगाने देशभर में प्रवर्तन अभियान जारी देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य 13 मई को एलपीजी टैंकर के विशाखापतनम पहुंचने की उम्मीद



एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और 2 मई को लगभग 47.7 लाख एलपीजी सिलिंडरों की बुकिंग हुई और करीब 47 लाख सिलिंडर डिलीवर किए गए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति की जा रही है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी घबराहट में न करें, क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही कहा कि अपघातों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

349 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना

मंत्रालय ने आगे बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 3 अप्रैल, 2026 से अब तक 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलिंडरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 10,100 से ज्यादा शिफ्ट आयोजित किए, इस समयवाधि में 5 किलोग्राम के लगभग 1,75,000 एफटीएल सिलिंडर बेचे गए। साथ ही कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अप्रैल, 2026 से 11,082 मीट्रिक टन ऑटो एलपीजी की बिक्री की है। सरकार ने आगे कहा कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर नियंत्रण लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन अभियान जारी है। शनिवार को देशभर में 1900 से अधिक छापे मारे गए। तेल विपणन कंपनियों ने औचक निरीक्षणों की संख्या बढ़ाई है और 349 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया है और कल तक 74 एलपीजी वितरकों को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, मंत्रालय ने कहा कि गश्लन द्रव्य के ध्वज वाला एलपीजी वाहक पोत एमटी सर्व शक्ति भारत के लिए 46,313 मीट्रिक टन तरल पेट्रोलियम गैस के साथ कल होर्मुस की खाड़ी को सुरक्षित पार कर गया, इसके 13 मई, 2026 को विशाखापतनम पहुंचने की उम्मीद है। इससे देश की एलपीजी आपूर्ति में बढ़ोतरी होगी।

नेपाल को भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया करारा जवाब

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत सरकार की तरफ से कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किए जाने पर नेपाल की बालेन सरकार ने जहां कड़ा विरोध जताया है वहीं, अब भारत सरकार ने भी करारा जवाब दे दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ-साफ कहा है कि यह कोई नई बात नहीं है। लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है और इस मार्ग से यात्रा दशकों से जारी है। इस संबंध में भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट और सुसंगत रहा है।

लिपुलेख के रास्ते मानसरोवर यात्रा पर जताया था विरोध

भारत ने कहा- यह दावे न तो न्यायसंगत हैं और न ही साक्ष्य पर आधारित



इस प्रकार का एकतरफा कुत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है। भारत द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तत्पर है, जिसमें संवाद और कूटनीति के माध्यम से सहमत लखित सीमा मुद्दों का समाधान भी शामिल है।

नेपाल ने जताई थी आपत्ति

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तीर्थयात्रा के मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले काठमांडू से परामर्श नहीं किया गया। नेपाल ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति उस वक्त जताई जब भारत ने यह यात्रा जून और अगस्त के बीच आयोजित किये जाने की घोषणा की।

रणधीर जायसवाल ने विलयरकट जवाब देते हुए कहा कि क्षेत्रीय दावों के संबंध में, भारत का निरंतर यही मानना रहा है कि ऐसे दावे न तो न्यायसंगत हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित हैं। क्षेत्रीय दावों का

इस प्रकार का एकतरफा कुत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है। भारत द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तत्पर है, जिसमें संवाद और कूटनीति के माध्यम से सहमत लखित सीमा मुद्दों का समाधान भी शामिल है।

भारत में चल रहा अहम प्रोजेक्ट पर काम

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कैंसर दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक मानी जाती है। कोलोरेक्टल कैंसर जैसी कुछ बीमारियां अक्सर दूसरी या तीसरी स्टेज में जाकर पकड़ में आती हैं और इस स्टेज में डॉक्टरों के लिए मरीज की जान बचाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या हो अगर हम आपसे कहें कि आने वाले टाइम में कुत्तों की मदद से कैंसर की बीमारी का पता बहुत अलीन स्टेज पर चल जाएगा। दरअसल, इजराइल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे कई देशों में इस समय कुत्तों की

अब कुत्ते सूंघकर लगाएं पता कैंसर है या नहीं...?



सफल साबित होते हैं, तो वो दिन दूर नहीं जब कुत्ते सूंघकर कैंसर का पता लगा सकेंगे। भारत में भी हो रहा प्रयोग: इजरायल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे देशों के अलावा भारत में भी कुत्तों पर प्रयोग हो रहा है। कर्नाटक के छह अलग-अलग अस्पतालों में ट्रेड कुत्तों की मदद से एक स्टडी की गई है।

मदद से कैंसर का पता लगाने को लेकर प्रयोग किया जा रहा है। अगर ये प्रयोग सफल साबित होते हैं, तो वो दिन दूर नहीं जब कुत्ते सूंघकर कैंसर का पता लगा सकेंगे। भारत में भी हो रहा प्रयोग: इजरायल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे देशों के अलावा भारत में भी कुत्तों पर प्रयोग हो रहा है। कर्नाटक के छह अलग-अलग अस्पतालों में ट्रेड कुत्तों की मदद से एक स्टडी की गई है।

शोधकर्ताओं ने खोज में की ग्रहों की पहचान नासा के शक्तिशाली एआई टूल ने खोजे 100 से ज्यादा छिपे ग्रह, 31 नए ग्रहों की पुष्टि

एजेंसी ►► वारविक

खगोलविदों ने कुत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नए शक्तिशाली टूल रेवन की मदद से नासा के ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट (टीईएसएस-टेस) मिशन के डाटा में 100 से अधिक एक्सोप्लैनेट यानी सौर मंडल के बाहर के ग्रहों की पुष्टि की है। इनमें 31 पूरी तरह नए ग्रह शामिल हैं। इसमें ऐसे दुर्लभ और चरम ग्रह भी मिले हैं, जो अपने तारों के बेहद करीब अत्यंत तेज गति से चक्कर लगाते हैं या फिर उस रहस्यमय क्षेत्र नेपच्यूनियन डेजर्ट में मौजूद हैं, जहां ग्रहों का मिलना बेहद कम माना जाता है। नेपच्यूनियन डेजर्ट अर्थात अंतरिक्ष का वह क्षेत्र जहां नेपच्यून जैसे आकार के ग्रह (मध्यम आकार के गैस ग्रह) बहुत कम पाए जाते हैं, खासकर तब जब वे अपने तारे के बेहद करीब परिक्रमा करते हों।

झूठे संकेत भी पहचानता है रेवन



आधुनिक अंतरिक्ष मिशन हजारों संभावित ग्रहों के संकेत दर्ज करते हैं, लेकिन असली ग्रह और झूठे संकेतों में अंतर करना चुनौतीपूर्ण होता है। रेवन इसी समस्या को हल करता है। इसे लाखों सिगुलेट डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है, ताकि यह पहचान सके कि चमक में कमी का कारण वास्तव में कोई ग्रह है या अन्य खगोलीय घटना।

खोज में कुछ बेहद खास प्रकार के ग्रह हैं शामिल

शोधकर्ताओं ने उन ग्रहों पर विशेष ध्यान दिया जो, अपने तारों के बहुत करीब परिक्रमा करते हैं और 16 दिनों से कम समय में एक चक्कर पूरा कर लेते हैं।

केन्या की कंपनी से तोड़ा करार, कंपनी मेटा विवादों में

लिविंग रूम से लेकर बेडरूम तक... स्मार्ट ग्लास यूजर्स की सेक्स रिकॉर्डिंग को लेकर घिरी मेटा



कर्मचारियों ने काम के दौरान मेटा के स्मार्ट ग्लासेस से रिकॉर्ड किए गए यूजर्स के बेहद निजी और आपत्तिजनक वीडियो देखने के लिए मजबूर किया गया था।

सच बोलने की मिली सजा: कर्मचारी यूनियन का आरोप

केन्या के ट्रेड यूनियनों ने इस छंटनी के पीछे की मंशा पर सवाल उठाए हैं। आफ्रीका टेक वर्क्स मूलभूत के नएताली वाग्सलौ का दावा है कि मेटा ने कोर्नोट इस्लिय रद किया क्योंकि वह इस बात को छिपाया चाहती थी कि स्मार्ट ग्लासेस की रिकॉर्डिंग तक इंगानों की भी पहुंच है। उनका मानना है कि मेटा जिन मानकों के उल्लंघन की बात कर रही है, वे असल में गोपनीयता के मानक हैं, जिन्हें कर्मचारियों ने मीडिया के सामने उजागर कर दिया था।

मेटा और समा में तकरार

मेटा का कहना है कि उन्होंने यह कोर्नोट इस्लिय रद किया क्योंकि समा उनके तय मानकों पर खरी नहीं उतर पाई। मेटा ने कहा कि एआई प्रोडक्ट के प्रदर्शन को सुधारने के लिए इंसानों द्वारा कंटेंट की समीक्षा की जाती है, और इसके लिए यूजर्स से स्पष्ट रूप से सहमति ली जाती है। आरोपों के बाद मेटा ने समा के साथ काम रोक दिया था। समा का कहना है कि उसने हमेशा अपने वर्ल्डाइट्स के साथ सुरक्षा, गुणवत्ता और संचालन के मानकों का कड़ाई से पालन किया है और मेटा ने उन्हें कभी किसी कमी के बारे में सूचित नहीं किया था।

मेटा पर 3,100 करोड़ रुपए का जुर्माना

अमेरिका के न्यू मैक्सिको में एक अदालत ने मेटा पर 375 मिलियन डॉलर (करीब 3,100 करोड़ रुपये से अधिक) का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने, यौन शोषण सामग्री छिपाने और भ्रमक जानकारी देने के लिए लगाया गया है। अदालत ने पाया कि कंपनी ने मुनाफे के लिए बच्चों की मानसिक सेहत को जोखिम में डाला।

श्रीलंका यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के जवान



श्रीलंका के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कोलंबो, श्रीलंका की यात्रा के दौरान पनडुब्बी आईएनएस सिंघुकेसरी पर सवार भारतीय नौसेना के जवान दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा ने सादगी से मनाया जीत का जश्न

कार्यालय में एक दूसरे को दी बधाई, विधायक ने खिलाई झालमुड़ी

जबलपुर। विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत और विशेषकर बंगाल की जीत ने पूरे देश को चौंका दिया है. बंगाल में विजय भाजपा का सपना था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी के दौर में पूरा किया गया. भाजपा को इस ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का उत्साह संस्कारधानी जबलपुर में भी पूरी शिद्दत के साथ देखा गया। महानगर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस बड़ी उपलब्धि का जश्न बेहद अनुरे और प्रतीकात्मक ढंग से मनाया। श्रीनाथ की तलैया में भाजपा विधायक अभिलाषा पांडे के नेतृत्व में क्षेत्रीय पार्षद रजनी कैलाश साहू, भाजपा नेता शरद अग्रवाल, मनीष जैन कल्लू की उपस्थिति में एक-दूसरे को बंगाल के पारंपरिक व्यंजन ‘झालमुड़ी’ खिलाकर जीत की बधाई दी। उत्सव में शोर-शराबे की जगह एक गंभीर संतोष और सादगी नजर आई।हादसे के शोक में नहीं मने ‘विजय जुलूस’ पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह जहात के सुख-दुख के प्रति संवेदनशील है। हाल ही में हुए बरगी डैम क़ूज हादसे की संवेदनशीलता और मृतकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, भाजपा नगर कार्यालय ने सादगी के साथ जीत का जश्न मनाया।



भाजपा का वैचारिक प्रवाह अब होगा अतिरल

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुभकामनायें देते हुए कहा इन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को जो जीत मिली है इसके अपने मायने हैं और इस जीत के साथ गंगात्री से गंगासागर तक भाजपा का वैचारिक प्रवाह होगा अब अतिरल होगा और स्थाई रूप से कमल खिलता रहेगा, यह वैचारिक प्रवाह

विकास की उर्वकता को बढ़ायेगा और अब कमल की पंखुड़िया देश को सीमाओं को सुरक्षित रखने का बड़ा कार्य करेगी।

तुष्टीकरण की राजनीति का अंत : सोनकर

नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इस

परिणाम को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का टर्निंग पॉइंट बताया। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा: “यह जीत केवल एक राज्य की सत्ता का परिवर्तन नहीं है, बल्कि बंगाल की पावन धरा पर वर्षों से जारी सांप्रदायिकता, भ्रष्टाचार और नारी शक्ति पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध जनता का ‘जनादेश’ है। तुष्टीकरण की दीवारें ढह चुकी हैं और राष्ट्रवाद का उदय हुआ है।”.

आक्रोश का मत, विकास का पथ: सांसद

सांसद आशीष दुबे ने इस जीत को पश्चिम बंगाल की माताओं-बहनों के सम्मान से जोड़ा। उन्होंने कहा: “बंगाल की महिलाओं ने जिस तरह घरों से निकलकर मतदान किया, वह टीएमसी और वामपंथी विचारधारा के दमनकारी शासन के खिलाफ एक मूक क्रांति थी। जनता के मन में जो आक्रोश वर्षों से दबा हुआ था, वह आज ईवीएम के जरिए बाहर आया है।” सोनार बांला की ओर बढ़ते कदम सांसद दुबे ने विश्वास व्यक्त किया कि अब बंगाल में भय और हिंसा की राजनीति का अंत होगा।



“इशारों इशारों में दिल लेने वाले”

जबलपुर। “गीतों की भावनाओं को अपनी आवाज से वास्तविक अभिव्यक्ति देने की जो कला आशा भोंसले में थी जिसने उन्हें विशिष्ट बना दिया। दुनिया उनके गीत कभी नहीं भूल सकती।” उपरोक्त आशय के विचार शहीद स्मारक में आयोजित “सुर मल्लिका आशा भोंसले को समर्पित गीतजलि” कार्यक्रम में अतिथियों पूर्व जिला सत्र न्यायाधीश चंद्रेश खरे एवं संदीप जैन वैष्णव ने व्यक्त किए। कार्यक्रम गुंजन कला सदन एवं संस्कारधानी आर्टिस्ट आर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित किया गया।

स्वर मल्लिका आशा भोंसले को दी गीतजलि

अतिथियों के साथ गुंजन के प्रांतीय महामंत्री लायन नरेन्द्र जैन, सुरेश सराफ, हिमांशु तिवारी, अभय जैन, आलोक पाठक, विवेक सोनी द्वारा दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। अतिथियों का स्वागत अभिषेक अग्रवाल, राजेश गुप्ता, इंजी. प्रदीप जैन, अरुण पवार, मयूर डेंगरा, लायन यशवंत सेंगर, कमलेश चद्वार, सुमन ठाकुर, सुभाष जायसवाल, रमाकांत गौतम ने

किया। गुंजन के नगर अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने नए मनोनीत पदाधिकारियों का परिचय दिया। इस अवसर पर डॉ. रजनीश गर्ग के संचालन में अतिथियों सहित संस्था के सुरेश सराफ, लायन नरेन्द्र जैन, विजय जायसवाल, हिमांशु तिवारी ने कलाकार बबलू मैथ्यूज, तुष्टि निगम एवं श्रीमती कमलेश नायक को अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में इन आंखों की मस्ती में..., कभी किसी को मुकम्मल जहां..., किसी नजर को तेरा इतजार..., इशारों इशारों में दिल..., संसार है एक नदिया..., जैसे 20 से अधिक गीत तेजल विश्वकर्मा, जय क्षत्रिय, मुन्ना गुजर, राखी मजूमदार, दिलीप कोरी, कंचन, बबलू मैथ्यूज, संध्या पांडेय, विशाल एवं निधि सिंह ने प्रस्तुत किए। वादक कलाकारों में निर्देशक बबलू मैथ्यूज के साथ जतिन छिपेलकर, शाजी वर्गिस, मुन्ना गुजर, अरविंद, मनोज, लकी एवं अंकुर झा शामिल रहे। संचालन प्रतुल श्रीवास्तव, राजेश पाठक ‘प्रवीण’ ने, आभार नवनीत श्रीवास्तव एवं अभिषेक अग्रवाल ने किया।

एमपी ट्रांसको मुख्यालय जबलपुर के इंजीनियरों की तकनीकी दक्षता से इंदौर मेट्रो के लिए 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के जबलपुर मुख्यालय स्थित प्लानिंग एवं डिजाइन विंग के इंजीनियरों की तकनीकी दक्षता, अनुभव और सूझबूझ के परिणामस्वरूप इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। इंजीनियरों ने घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी चुनौतियों का सामना करते हुए 220 केवी सबस्टेशन मांगलिया (इंदौर) में 200 एमवीए क्षमता के मग पावर ट्रांसफार्मर तथा दो फीडरों के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर उसे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इंदौर जैसे व्यस्त एवं घनी आबादी वाले शहर में अतिरिक्त विद्युत पारेषण अधोसंरचना का विकास अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता



से इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मेट्रो परियोजना की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों की बधाई देते हुए इसे उनकी उत्कृष्टता, समर्पण और तकनीकी क्षमता का प्रमाण बताया।

तकनीकी कौशल से सबस्टेशन में

निकाला उपयुक्त स्थान- एमपी ट्रांसको के विशेषज्ञ इंजीनियरों ने सीमित स्थान और जटिल तकनीकी परिस्थितियों के बीच 220 केवी सबस्टेशन मांगलिया में पावर ट्रांसफार्मर एवं दो फीडरों के लिए उपयुक्त स्थान का सफलतापूर्वक निर्धारण किया। इसके फलस्वरूप इंदौर शहर से खजराना मेट्रो स्टेशन तक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना संभव हो सका।

जीआरपी की गिरफ्त में शातिर बदमाश से लाखों के जेवरात बरामद

जबलपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक रेल सिमाला प्रसाद जबलपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भावना मरावी व पुलिस उप अधीक्षक रेल अंकिता सुल्या जबलपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर द्वारा जीआरपी थाना जबलपुर के क्षेत्र अंतर्गत हो रहे अपराधों की रोकथाम हेतु टीम गठित कर गमियों की भीड़भाड़ में हो रहे अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। दिनांक 03/05/2026 को थाना जीआरपी जबलपुर की टीम द्वारा विशेष चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफार्म नं.6 के आउटर इटारसी छोर पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसने अपना नाम विवेक वैद्य पिता सहदेव वैद्य उम्र 36 साल निवासी जालपा वाई कटनी म.प्र. बताया। जो पृष्ठताछ के दौरान आनाकानी करता प्रतीत हुआ, जिससे सख्ती से पूछताछ की गई, तो आज से 10-11 माह पूर्व हमसफर एक्सप्रेस में



स्लीपर डिब्बे से एक पिट्टू बैग जिसमें सोने, चांदी के जेवरात, दौ मोबाइल व कागजात चोरी करना स्वीकार किया, चोरी के जेवरात बेचने के लिये जबलपुर आना व बिक नहीं पाने के कारण वापस अपने साथ कटनी लेकर जाना बताया।

थाना हाजा में पूर्व से पंजीबद्ध अपराध का मिलान घटना से होना पाये जाने से आरोपी के कब्जे से एक सोने का मंगलसूत्र, एक सोने के चेन, सोने की दो बाली, एक छोटा लॉकिट (ज्यूवेली), एक जोड़ी चांदी की पायल, कुल कीमती

2,58,000 रुपये जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी थाना में अन्य प्रकरण चोरी के मामले के दर्ज हैं जिसका माननीय न्यायालय से स्थाई वारंट भी जारी किया गया था, वारंट के पालन में भी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त बदमाश को गिरफ्तार करने एवं माल बरामदगी में जीआरपी थाना जबलपुर SHO संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा, अरुण तिवारी, प्र.आर. रामनिवास ओझा, प्र.आर. शैलेंद्र सिंह, प्र.आर. संतोष चौबे, आरक्षक रविकांत रजक, परशुराम यादव, गोपाल सिंह, आर. राजा जैन, आर. राजकुमार मेहरा, आरपीएफ सीआईबी के सउनि अमित सिंह का विशेष योगदान रहा। पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को नगर पुरस्कार से पुरष्कृत करने की घोषणा की गई है।

उर्स का समापन, सूफियाना कलामों से महफिल रही सराबोर

जबलपुर। आगा चौक स्थित हजरत शाह मिर्झा आगा मोहम्मद साहब की दरगाह में आयोजित त्रिदिवसीय उर्स का शनिवार की शाम कुल शरीफ की फ़ातिहा के साथ अकीदत और रूहानी माहौल में समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस उर्स में दूर-दराज से आए अकीदतमंदों ने बड़-चढ़कर शिरकत की और दरगाह पर हाज़िरी देकर दुआएं मांगीं।

उर्स शरीफ के अंतिम दिन आयोजित महफिले सिमा (कव्वाली) कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें मशहूर सूफ़ी संत अमीर खुसरो का प्रसिद्ध कलाम “मन कुन्तो मौला, फ़ा अलीय्युन मौला” पेश किया गया। इस कलाम की रूहानी गुंज से पूरा माहौल सूफियाना रंग में रंग गया और महफिल में मौजूद सूफ़ी हजरात व



अकीदतमंद झूम उठे। कव्वालों की पेशकश पर लोगों ने दिल खोलकर नजराना पेश किया और देर रात तक महफ़िल का सिलसिला जारी रहा।

उर्स के दौरान दरगाह परिसर में खास

सजावट की गई थी, जिससे पूरा क्षेत्र रोशनी और इत्र की खुशबू से महक उठा। अकीदतमंदों के लिए लंगर और तबर्क का भी विशेष इंतजाम किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

उर्स की खास बात यह रही कि इसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कौमी एकता, भाईचारे और आपसी सौहार्द की अनुठी मिसाल देखने को मिली। इस मौके पर मुल्क की तत्कली, खुशहाली और कामयाबी के लिए भी खास दुआएं मांगी गईं।

दरगाह कमेट्री के मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, गुलाम अली घीवाला, सेक्रेटरी मोहम्मद रफीक खान, सैय्यद साबिर अली सहित अन्य पदाधिकारियों ने उर्स शरीफ में शामिल होने वाले सभी अकीदतमंदों का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले पुलिस प्रशासन, नगर निगम तथा प्रेस मीडिया का भी आभार व्यक्त किया।

महाराष्ट्र कॉलेज में दो दिवसीय “सर्वम शक्तिमयम” अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

जबलपुर। त्रिपुरी शोध पीठ जबलपुर और महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में “वर्तमान परिदृश्य में शक्तिपीठों की भूमिका” विषय पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ महाराष्ट्र कॉलेज के ऑडिटोरियम में आचार्य शंकर संस्कृत एकता भवन की आचार्य स्वामिनी सद्विद्वानंदन सरस्वती एवं डॉ. जितेंद्र जामदार पूर्व उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य में एवं सचिव महाराष्ट्र शिक्षण मण्डल प्रमोद दिवाकर पाठक की अध्यक्षता में हुआ। विभिन्न विद्वानों डॉ. अखिलेश गुमास्ता, प्रोफेसर रजनीश शुक्ला संपूर्णानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी वाराणसी, प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद शर्मा हेड ऑफ फिलॉसफी डिपार्टमेंट राजस्थान यूनिवर्सिटी ने “भारत में एवं भारत के बाहर बंगलादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थित विभिन्न शक्तिपीठों का वर्तमान परिदृश्य में समाज, परिवार,



अर्थव्यवस्था एवं विभिन्न क्षेत्रों में क्या भूमिका है” पर अपने विचार प्रस्तुत किये। द्वितीय दिवस पर इस विचारमंथन यज्ञ में जलगांव महाराष्ट्र से आये डॉ. विजय श्रीनाथ कांची, बनारस उत्तरप्रदेश से आये प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, प्रो. ब्रह्मानंद त्रिपाठी एवं अन्यान्य विद्वानों ने विभिन्न शास्त्रों में बताई गई शक्तिपीठों के प्रभाव पर अपने उद्गार व्यक्त किये। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक प्राचार्य डॉ. दिलीप

सिंह हजारी ने सम्मेलन की कल्पना, रूपरेखा पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. नितिन कुमार पटेल ने त्रिपुरी शोध पीठ के आयामों पर व्यापक ढंग से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिपुरी शोध पीठ के संरक्षक निरंद सिंह ठाकुर ‘नीर’ ने किया एवं तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. राजा तिवारी एवं डॉ. अर्चना साने ने किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आये प्रतिभागियों ने शोधपत्र भी प्रस्तुत किये। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का ऑनलाईन मोड पर भी प्रसारण किया गया जिनमें त्रिभुवन चरणों में सुंदरकांड का संगीतमय उपाध्याय एवं श्रीलंका से श्री पराकमा अभयगुणावर्धने एकानायक एवं विभिन्न विशेष विशेषज्ञों तथा शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पढ़े। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बड़ी संख्या में शोधार्थी, गणमान्य नागरिक, महाविद्यालयों के आचार्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इरा नंदनी कायस्थ वूमन क्लब की श्रद्धा युवत पहल



जबलपुर “सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय” की विशेष भावना को रखते हुए इरा नंदनी कायस्थ वूमंस क्लब ने पाठ बाबा स्थित हनुमान जी के श्री चरणों में सुंदरकांड का संगीतमय आयोजन किया और विनम्र रूप से प्रार्थना की कि बरगी क़ूज दुर्घटना हमारे जबलपुर में जो बाहर से आए और यहां के जो लोग थे उन पर आई हुई विपदा और उनके परिवारों को ईश्वरी भक्ति का संबल मिले, उन्हें सुख और मानसिक शांति तथा ढांडस

दिलाने के लिए प्रभु के चरणों में सुंदरकांड का आयोजन किया। रामायण, गीता और भागवत पुराण आदि के महत्व पर शिवहरि श्रीवास्तव, राजीव लाल श्रीवास्तव एवं समाजसेवी धीरेश खरे ने भी पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने भारतीय संस्कारों की बात करते हुए इसे गंभीरता से सभी परिवारों में अमाने हेतु अपील की, तत्पश्चात समाज में प्रतिभावान छात्रों का भी सम्मान किया गया। इस आयोजन में ईरानंदनी वूमंस क्लब की अध्यक्ष

शीतल श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अंशुल वर्मा, प्रीति विनय सक्सेना, शशि श्रीवास्तव, रुचि श्रीवास्तव, मनीषा श्रीवास्तव, निधि श्रीवास्तव, राजश्री खरे, निधि खरे सहित क्लब की सभी मेंबर्स ने अपना योगदान प्रदान किया।

नाम परिवर्तन सूचना
I, PRAVEENA V.Sis legally Mother of of ARMY NO-15501574N, Rank - HAV. Name- SWOBHU A presently residing at VIII- MANGAD, POST- MANGAD Teh- KOLLAM Distt - KOLLAM, State- KERALA PIN 691015 शपथपूर्वक नि. लि. कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम SINDHU दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम PRAVEENAS दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एवं मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं KL001967099202627E दिनांक 17-04-26 Judicial Magistrate of the 1st class Kollam, Kerala गलत नाम - SINDHU सही नाम - PRAVEENA V.S

नाम परिवर्तन सूचना
I, SWOBHU A of ARMY NO-15501574N, Rank- HAV, presently residing at VIII- MANGAD POST-MANGAD, Teh - KOLLAM , Distt - KOLLAM, State- KERALA, PIN- 691015. शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी बेटी का नाम ASWATHY P.STHIRUVATHIRA दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरी बेटी का नाम ASWATHY P.S दर्ज है। जो कि सही है मेरी बेटी के नाम को पढा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र दिनांक 04-05-26 नोटरी जबलपुर म.प्र. गलत नाम - ASWATHY P.S THIRUVATHIRA सही नाम - ASWATHY P.S

अब सांची स्तूप के अनुरूप नजर आएगा सांची दुग्ध संघ का आधुनिक कैफे

आत्माराम सोनी ►►भोपाल

राजधानी भोपाल में सांची दुग्ध संघ द्वारा अनोखे कैफे का निर्माण कराया गया है। यहां उपभोक्ताओं के बैठने के लिए हरियाली से भरपूर परिसर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन रानी कमलापति के प्लेटफार्म नंबर 5 की ओर सांची दुग्ध संघ के गेट क्रमांक 1 पर कराया जा रहा है। यहां ग्राहकों को बैठने के लिए मिनी पार्क में चेयर की व्यवस्था रहेगी।

सांची सेल्फी पाइंट का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिससे यहां आने वाले उपभोक्ता अपनी विजिट को यादगार बना सकें। खास बात यह है कि इस कैफे का डिजाइन विश्व प्रसिद्ध सांची स्तूप की तर्ज पर तैयार गया है, जिससे यह शहर का एक अनोखा आकर्षण बनेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भोपाल सांची दुग्ध संघ इस आधुनिक कैफे का उद्घाटन चालू माह के अंत तक करने की तैयारी में है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विशेष अतिथि के रूप में पशुपालन मंत्री लखन पटेल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य सचिव अनुराग जैन, प्रमुख सचिव पशुपालन डेयरी विभाग उमाकांत उमराव, कमिश्नर और कलेक्टर आदि मौजूद रहेंगे।



प्रोतेश जोशी

अलग खबर



शुद्धता और स्वाद का अनूठा अनुभव मिलेगा

यहां आने वाले ग्राहकों को शुद्धता और स्वाद का अनूठा अनुभव मिलेगा। कैफे में शुद्ध घी की जलेबी, पनीर पकौड़े, समोसे और कचोड़ी जैसे पारंपरिक व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही सांची बांड के दूध, दही, लस्सी, रबड़ी, आइस्क्रीम, मिठाइयां और अन्य डेयरी उत्पाद भी परसे जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य न सिर्फ लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है, बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति को भी बढ़ावा देना है। उम्मीद की जा रही है कि यह कैफे भोपालवासियों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

भोपाल में एक नया फूड और कल्चरल हब

सांची दुग्ध संघ के सीईओ प्रोतेश जोशी ने बताया कि इस जगह पर पहले भी एक सांची कैफे था, लेकिन 30 लाख रुपये की लागत से अब यहां अत्याधुनिक सांची कैफे का निर्माण कराया गया है। कैफे का वास्तुकला में सांची स्तूप की झलक साफ दिखाई देगी। गोलाकार संरचना, पारंपरिक कलाकृतियां और शांत वातावरण इसे खास बनाएंगे। यहां आने वाले लोग न सिर्फ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक माहौल का भी अनुभव कर सकेंगे। कैफे का निर्माण और साज-सज्जा इस तरह की जा रही है कि इसमें सांची स्तूप की झलक भी दिखाई दे। पारंपरिक डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं का यह संगम भोपाल में एक नया फूड और कल्चरल हब बनेगा की ओर बढ़ रहा है।

यह होंगी खालियाँ

कैफे गुणवत्ता और विश्वास का नया केंद्र बनेगा

इस सांची आधुनिक कैफे का उद्देश्य सिर्फ खानपान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को भारतीय विरासत और स्वाद का अनूठा संगम भी प्रदान करेगा। ताकि लोगों को शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक खानपान उपलब्ध हो। आज के समय में जहां मिलावटी खाने की चिंता बढ़ती जा रही है, ऐसे में यह कैफे गुणवत्ता और विश्वास का नया केंद्र बन सकता है। माना जा रहा है कि इसके खुलने के बाद यह शहर के फूड लवर्स के बीच खास लोकप्रिय हो सकता है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदरन क्रॉस यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के बीच समझौता

भारत में विद्यमान संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य पतंजलि के पास : आचार्य बालकृष्ण

यह समझौता सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु : प्रो. बेन राॅश

हरिभूमि न्यूज ►►हरिद्वार

वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित सदरन क्रॉस यूनिवर्सिटी के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया गया है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साध्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच



समझौता ज्ञापन को प्रदर्शित करते हुए।

पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और सदरन क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं

अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा।

आयुर्वेद केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है : बालकृष्ण

आयुर्वेद केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है और जब इस पारंपरिक ज्ञान का आधुनिक अनुसंधान से समन्वय होता है, तब उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। इस समझौता ज्ञापन समारोह में सदरन क्रॉस यूनिवर्सिटी के प्रो-वाइस-चांसलर (रिसर्च एंड एजुकेशन इम्पैक्ट) प्रोफेसर बेन राॅश कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षण और छात्र-आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले विषयों पर अनुसंधान करेंगे। यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा। सदरन क्रॉस यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फॉर नैचुरोपैथिक मेडिसिन के फाउंडेशन डायरेक्टर प्रोफेसर जॉन वार्डल ने आगे बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान साझा अनुसंधान परियोजनाओं का विकास करेंगे,सरकारी अनुदान के लिए संयुक्त आवेदन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की आधारशिला है।

'एआई-ओपनर अवॉर्ड्स जिज्ञासा, इनोवेशन को बढ़ावा देने व तकनीक उत्कृष्टता व उसे विकसित करने का अनोखा मंच : रishu गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सिस्टेक-आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस इंटीग्रेटेड लर्निंग एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूशन ने एआई-ओपनर अवार्ड्स 2026 के साथ कैम्पस प्लेसमेंट में उपलब्धि हासिल की है। नवाचार और दूरदर्शी प्रतिभाओं के सम्मान के उद्देश्य से आयोजित यह अवार्ड्स आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में भविष्य के लिए तैयार ईजीनियर्स के निर्माण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पीओडी डॉट एआई द्वारा संचालित यह अवॉर्डस सिस्टेक रातीबड़ के विक्रम सभागार में प्रदान किए गए।

यह पहल सिस्टेक के इंटीग्रेटेड लर्निंग एवं डेवलपमेंट को प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यक्रमों पर विशेष फोकस कर



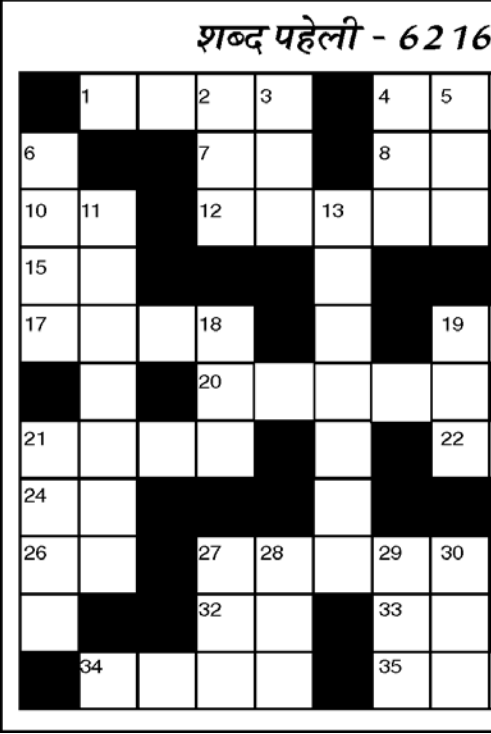
प्रदर्शित करती है, जिसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की दूरी को कम करना रहा है। छात्रों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लीडर्स को यह अवार्ड नई उभरती टेक्नोलॉजी में उत्कृष्टता को मान्यता देने और परिवर्तनकारी

विचारों को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान किया। पीओडी डॉट एआई के संस्थापक और सीईओ रिशु गुप्ता ने 32 सिस्टेक के छात्रों और 16 संकायों को एआई-आधारित प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने और एआई के क्षेत्र में अपना करियर बनाने में उनके उत्साहपूर्ण योगदान और एंबेसडर बनने के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर सिस्टेक की ग्रुप डायरेक्टर डॉ. ज्योति देशमुख, सिस्टेक गांधी नगर और रातीबड़ कैम्पस के प्रिंसिपल डॉ. मनीष बिल्लोरे और डॉ. अभिषेक चौबे, तथा सिस्टेक की कॉर्पोरेट रिलेशंस हेड प्राची श्रीवास्तव उपस्थित रही। कार्यक्रम में रिशु गुप्ता ने कहा कि एआई ओपनर अवॉर्डस 2026सिर्फ पहचान ही नहीं है एक मंच है, जो छात्रों के बीच जिज्ञासा, इनोवेशन को बढ़ावा देने व तकनीक उत्कृष्टता व उसे विकसित करने का एक अनोखा मंच है।

एथर एनर्जी ने अब तक 83,418 यूनिट्स बेचीं

नई दिल्ली। एथर एनर्जी ने वित्तवर्ष 2026 में अब तक की सबसे जबरदस्त परफॉर्मेंस दर्ज की है। कंपनी के वॉल्यूम, बाजार में हिस्सेदारी और राजस्व में शानदार वृद्धि के साथ ईबीआईटीडीए नुकसान में काफी कमी आई है। कंपनी ने वित्तवर्ष 2026 में 69 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि करते हुए 2,62,942 स्कूटर बेचे, वहीं चौथी तिमाही में 76 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज करते हुए कंपनी के 83,418 स्कूटर बिके। जहां वित्तवर्ष 2026 में ईबीआईटीडीए मार्जिन में साल-दर-साल 1630 बीपीएस का सुधार हुआ, वहीं चौथी तिमाही में इसमें 2080 बीपीएस का सुधार दर्ज हुआ।

कार्यालय नगर परिषद मझौली जिला जबलपुर (म.प्र.)				
(email id :cmomanjholi@mpurban.gov.in tel.07624-244444)				
क्र. 233/लो.नि.शा./न.परि./2026				
//ई-निविदा सूचना//				
मझौली दिनांक. 04.05.2026				
निर्मलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।				
टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की सम्भावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_504620_1 Dt- 04-05-2026	नगर परिषद मझौली के विभिन्न वार्डों में नाली, पुलिया एवं गार्ड रूम निर्माण कार्य	02 माह, 3,29,861/-	2,000/-, 3,300/-	20-05-2026
2026_UAD_504621_1 Dt- 04-05-2026	नगर परिषद मझौली के विभिन्न वार्डों में नाली, पुलिया एवं भवन मरम्मत निर्माण कार्य	02 माह, 2,91,780/-	2,000/-, 3,300/-	20-05-2026
2026_UAD_504622_1 Dt- 04-05-2026	वार्ड क्र. 05 में पार्किंग लाईन मरम्मत कार्य	02 माह, 1,68,700/-	2,000/-, 3,400/-	20-05-2026
शर्त - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।				
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद मझौली				



बारें से दाए-

1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2

26. पिटाई, चोट-2

27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4
- ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. करुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पूर्व

प्रधानमंत्री-5,2

18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमत्त्व-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6215 का हल



सूडोकु नववाला - 6226									
***** संयोज									
8	2			6				1	
	6		8	9				7	5
3			1						2
	3		4					6	
6		2		1			4		3
	8				5			2	
2					3				1
5	1			7	6			4	
	9			4				3	6
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं:-									
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक को पुनरावृत्ति न हो इसका विरोध ध्यान रखें:-									
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हल नहीं सकते।									
■ पहेली का केवल एक ही हल है:-									
8	6	4	2	7	9	5	3	1	
7	3	9	1	8	5	2	6	4	
1	5	2	3	6	7	9	8		
4	1	3	8	6	7	9	5	2	
5	6	9	2	4	3	1	7		
2	9	7	5	1	3	8	4	6	
9	4	8	7	5	1	6	2	3	
3	7	5	6	4	2	1	8	9	
6	2	1	3	9	8	4	7	5	

राशिफल	
मेघ	दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।
वृष	मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुखादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।
मिथुन	वर्ष के क्रोध से बचे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।
कर्क	परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।
सिंह	संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचे। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।
कन्या	संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचे। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से घन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे
तुला	वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।
वृश्चिक	मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।
धनु	क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।
मकर	वर्ष के क्रोध से बचे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।
कुम्भ	आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक समीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।
मीन	मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

विशेष
मातृ दिवस
10 मई

मां तुम हो सबसे प्यारी... सबसे ब्यारी...

कवर स्टोरी

रिखर चंद जैन

बि न कहे जो आपकी बात समझ जाए, जिससे बात करके मन हल्का हो जाए, जिसकी गोद में सिर रखकर कुछ पल बैठ जाएं तो स्वर्ग-सा सुख मिले, ऐसा शख्स मां के बिना भला कौन हो सकता है! अपनी संतान से मां का रिश्ता सृष्टि में सबसे सुंदर और अद्वितीय होता है। यह रिश्ता सिर्फ भावनाओं का संगम नहीं, त्याग, शक्ति और अटूट विश्वास की एक अनूठी कहानी है। मां का रिश्ता दुनिया के हर रिश्ते से अलग और बेहद महत्वपूर्ण होता है। मां का रिश्ता एक ऐसी अनमोल विरासत है। एक महिला के रूप में, मां होना पूर्णता का अहसास है और एक संतान के रूप में, मां का होना ईश्वर का वरदान है।

सृष्टि का आधार मां की सृजन-शक्ति

मां का रिश्ता दुनिया का इकलौता ऐसा रिश्ता है, जो जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। नौ महीने तक एक नन्ही-सी जान को अपने भीतर सींचना, उसे अपना रक्त और पोषण देना, यह एक ईश्वरीय अनुभव है। दुनिया का कोई भी दूसरा रिश्ता इस स्तर के शारीरिक और आत्मिक जुड़ाव से नहीं बनता। मां एक 'क्रिएटर' है, यही उसे बाकी सब नातां से ऊपर रखता है। 'मां' केवल एक शब्द नहीं, संपूर्ण सृष्टि का आधार है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में मां की ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति के रूप में देखा जाता है। मां ही वह शक्ति है, जिसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। कई धार्मिक विचारों में मां को ईश्वर का साकार रूप माना गया है, क्योंकि जिस प्रकार परमात्मा सृष्टि का आधार है, उसी प्रकार मां अपने परिवार और भावी पीढ़ी का आधार होती है।

पहली गुरु और मार्गदर्शक

मां न केवल जीवन देती है, बल्कि जीवन जीने का सही तरीका

और संस्कार भी सिखाती है। एक बच्चा अपनी पहली शिक्षा किसी स्कूल से नहीं, बल्कि अपनी मां की गोद से प्राप्त करता है। भाषा, संस्कार, सही-गलत की पहचान और दुनिया को देखने का नजरिया सब मां ही सिखाती है। मां ही बच्चे की पहली मॉडल होती है। वह बिना किसी डिग्री के भी जीवन के सबसे कठिन पाठ पढ़ा देती है। इसीलिए मां को हमारे जीवन की पहली गुरु और मार्गदर्शक माना जाता है। मां ही बच्चे के साथ सबसे अधिक समय बिताती है, उसे जीवन के प्रारंभिक पाठ सिखाती है। मां की सिखाई बातें जीवन भर अपनी संतान का मार्गदर्शन करती हैं।

निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा

मां के निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण के कारण ही उसे जीवनदाता और सबसे अच्छी दोस्त भी कहा जाता है। आज की व्यावसायिक दुनिया में हर रिश्ता किसी न किसी उम्मीद या लेन-देन पर टिका होता है। लेकिन मां का प्यार 'अनकंडीशनल' होता है। बच्चा चाहे कितना भी बड़ा हो जाए, सफल हो या असफल, मां के लिए वह हमेशा वही मासूम जान रहता है। उसका प्यार बदले में कुछ नहीं मांगता, बस अपने बच्चे की मुस्कुराहट चाहता है। मां का स्नेह, त्याग और ममता न केवल बच्चों का मार्गदर्शन करती है, बल्कि समाज और मानवता की नींव भी रखती है।

अनकही बातों को समझने का हुनर

दुनिया के हर रिश्ते में अपनी बात समझाने के लिए शब्दों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन मां के साथ ऐसा नहीं है। आपकी आंखों की नमी, आपकी आवाज की खनक या आपकी चुप्पी, मां सब कुछ बिना कहे समझ लेती है। यह 'इंट्यूशन' और 'टेलीपैथी'



केवल भावनाएं ही नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक शोध निष्कर्ष भी हैं। रिसर्च के अनुसार, मां के साथ शारीरिक संपर्क (जैसे गोद में बैठना या गले लगाना) शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को रिलीज करता है। यह हार्मोन तनाव को कम करता है, सुरक्षा का अहसास दिलाता है और मां-बच्चे के बीच एक अटूट बंधन बनाता है। अध्ययनों से पता चला है कि मां का स्पर्श और उसकी मौजूदगी बच्चे के शरीर में कोर्टिसोल (तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन) के स्तर को कम कर देती है। इससे बच्चा खुद को शांत और सुरक्षित महसूस करता है। सिंगापुर में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे मां के अधिक संपर्क में रहते हैं, उनके 'सोशल ब्रेन' का विकास बेहतर होता है। यह उन्हें भावनाओं को समझने और सामाजिक रूप से सक्रिय बनने में मदद करता है। मनोवैज्ञानिक जॉन बार्डलूबी की 'अटेंचमेंट थ्योरी' बताती है कि मां की गोद बच्चे के लिए एक 'सिक्योर बेस' (सुरक्षित आधार) का काम करती है। जब बच्चा यहां सुरक्षित महसूस करता है, तभी उसमें बाहर की दुनिया को एक्सप्लोर करने का आत्मविश्वास आता है। 'कंगारू केयर' (त्वचा से त्वचा का संपर्क) पर हुई रिसर्च बताती है कि मां की गोद में रहने से शिशुओं के दिल की धड़कन और शरीर का तापमान स्थिर रहता है, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। a

विशाल हृदयी-त्याग की मूरत मां

एक महिला जब मां बनती है, तो वह अपनी नौद, अपनी पसंद, अपना करियर और कभी-कभी अपनी पहचान तक को पीछे छोड़ देती है। सबसे रोचक बात यह है कि वह इसे 'त्याग' नहीं मानती, बल्कि अपनी खुशी मानती है। अपनी थाली की आखिरी रोटी बच्चे को खिलाकर पेट भरा हुआ महसूस करना, यह जादू सिर्फ मां कर सकती है। इंसान गलतियों का पुतला है, और हम अक्सर जाने-अनजाने अपने आप का ही दिल दुखाते रहते हैं। जहां दूसरे रिश्ते छोटी-सी ठेस से टूट जाते हैं या उनमें दरार आ जाती है, मां का दिल वह समंदर है, जो आपकी हर गलती को समा लेता है। वह डांटती है, नाराज होती है, लेकिन कभी आपका हाथ नहीं छोड़ती। उसका विशाल हृदय संतान को क्षमा करने में देर नहीं करता। जब पूरी दुनिया आप पर शक करती है, तब मां ही होती है, जिसे यकीन होता है कि आप सब कुछ कर सकते हैं। मां का 'मेरा बच्चा सबसे अच्छा है' वाला विश्वास हमें बड़े से बड़े संकट से लड़ने की शक्ति देता है। मां का भरोसा ही वह चेतना जगाती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास चमकता है।

मेकअप सहिता गुला

जि स तरह का मेकअप यंग एज में किया जाता है, वैसा मिड एज में नहीं किया जा सकता है। दरअसल, बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में कई बदलाव आने लगते हैं, जैसे झुर्रियां, ढीलापन, ड्रायनेस और पिग्मेंटेशन। ऐसे में मेकअप का तरीका भी बदलना जरूरी हो जाता है। सही मेकअप न केवल चेहरे की कमियों को छिपाता है बल्कि नेचुरल ग्लो भी बढ़ाता है। इस मदर्स-डे पर, अपनी मां को एक नया सिंपल-सोबर लुक देने के लिए आप यहां बताए जा रहे मेकअप स्टेप्स फॉलो करें। यकीन मानिए, आपकी माँ और भी प्यारी दिखने लगेंगी।
स्किन केयर से करें शुरुआत: मेकअप से पहले स्किन को प्रिपेर करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ स्किन ड्राय होने लगती है। इसलिए सबसे पहले मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। फिर हाइड्रेटिंग सीरम

प्राँपर मेकअप से मां दिखेंगी सिंपल-सोबर

और प्राइमर का उपयोग करें। इसकी मदद से मेकअप स्मूथ लगता है और लंबे समय तक टिका रहता है।
लाइटवेट फाउंडेशन का करें चुनाव: हैवी फाउंडेशन झुर्रियों को और उभार सकता है। इसलिए हमेशा लाइटवेट और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। बीबी क्रीम या सीसी क्रीम भी अच्छा विकल्प है। इसे स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के हाथों से लगाएं ताकि स्किन नेचुरल दिखे।
कंसीलर का सही इस्तेमाल: आंखों के नीचे डार्क सर्कल को छिपाने के लिए कंसीलर का उपयोग करें, लेकिन बहुत ज्यादा मात्रा में इसे न लगाएं। हल्के हाथों से



ब्लेंड करें ताकि फाइन लाइंस में प्रोडक्ट जमा न हो।
पावडर कम लगाएं: मेकअप में कम पावडर का इस्तेमाल करें। अधिक पावडर लगाने से चेहरा ड्राय और केकी दिख सकता है। सिर्फ टी-जोन (माथा, नाक और ठोड़ी) पर ही हल्का-सा कॉम्पैक्ट पावडर लगाएं। इस सीजन में ट्रांसलुसेंट पावडर बेहतर रहता है।

सॉफ्ट-न्यूट्रल आई मेकअप: बढ़ती उम्र में आई मेकअप को हल्का और सॉफ्ट रखना चाहिए। ब्राउन, पीच या न्यूड शेड्स का इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा ग्लिटर या डार्क शेड्स अल्ट्राई करने से बचें। आईलाइनर पतला लगाएं और मस्कारा से पलकों को

एडवाइस डॉ. आरती आनंद

सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

हर परिवार में मां-बेटी के बीच गहरा भावनात्मक लगाव होता है। ऐसे में जिम्मेदार बेटी होने के नाते आपका यह फर्ज बनता है कि आप अपनी मम्मी के मन की बातों को भी समझें। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि वे तनावमुक्त और प्रसन्न रहें।
मानसिक सेहत पर प्रभाव: उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही अधिकतर महिलाओं के जीवन में मेनोपॉज की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन की मात्रा घटने लगती है। हॉर्मोन संबंधी असंतुलन के कारण महिलाओं को मूड स्विंग की समस्या होती है। वे तनावग्रस्त रहने लगती हैं। उम्र के इस दौर में बच्चों के करियर, विवाह और रिटायरमेंट के बाद पैदा होने वाले खालीपन के बारे में भी सोचकर महिलाएं घबराने लगती हैं।
कैसे पहचानें लक्षण: अगर आपकी मम्मी अकसर सुस्त, चिड़चिड़ी और गुमसुम दिखाई दें या उनकी दिनचर्या और व्यवहार में अचानक कोई बड़ा बदलाव नजर आए, मसलन, कम बोलना, लोगों से मिलने-



जुलने से कतराना, एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में घबराहट, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भूल जाना, रात में नींद न आना, सिरदर्द, भोजन में अरुचि, यदि ऐसे कोई भी लक्षण नजर आएंगे तो उन्हें अनदेखा न करें क्योंकि ये डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंज्माइटी जैसी

मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में अपनी मां को इमोशनल सपोर्ट देना आपकी जिम्मेदारी है।

क्या करना चाहिए:

रोजाना नियमित रूप से अपनी मां के साथ बातचीत के लिए समय निकालें। अगर कभी वह उदास नजर आएंगे तो उनसे उनकी उदासी का कारण पूछकर उसे दूर करने की कोशिश करें। सहजता से धीरे-धीरे उनके साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने की कोशिश करें। जहां तक संभव हो घर के कामकाज में उनका हाथ बंटाएं। रोजाना सुबह जल्दी उठकर उनके साथ योग और मेडिटेशन करें। इससे ब्रेन में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो खुशी का



खालीपन महसूस होने लगता है। इस समस्या से बचाव के लिए उन्हें उनकी उन हॉबीज की याद दिलाएं। उन्हें जो भी कार्य पसंद हो, उसकी दोबारा से शुरुआत करें। ऐसी रचनात्मक सक्रियता से वह हमेशा तनावमुक्त और खुश रहेंगी। a

प्रस्तुति: विनीता

मां के बारे में कितना भी कहा जाए, लिखा जाए, कम ही होगा। उसकी ममता की कोई थाह नहीं, उसके त्याग की कोई सीमा नहीं। संतान के हित के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर मां की महानता का वर्णन संभव नहीं। सच! इस दुनिया में कोई रिश्ता नहीं, जो मां जैसा प्यारा हो, मां जैसा न्यारा हो।

प्यार से सिखाते-समझाते हुए

अपनी मां को बनाएं टेक्नो-स्मार्ट

आप जरूर चाहेंगी कि जैसे स्मार्ट फोन और गैजेट्स के जरिए रोजमर्रा के ढेरों काम आसानी से कर लेती हैं, वैसे ही आपकी मम्मी भी कर लें। इसके लिए आपको ही उनकी हेल्प करनी होगी। उन्हें आप बहुत आसानी से टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं।



सजेशन

ललिता गोयल

आज के डिजिटल दौर में माँम को भी टेक्नो-फ्रेंडली होना बहुत जरूरी है। इससे उनको अपनी फेवरेट रेंसिपी ढूँढ़ने या अपने रिलेटिव्स से बात करने के लिए किसी की मदद का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे खाली समय में अपना एंटरटेनमेंट कर पाएंगी, इससे उन्हें खुशी मिलेगी और उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। आप बहुत आसानी से माँम को टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं। इसकी शुरुआत मदर्स-डे से कर सकती हैं।
दोस्त बनकर सिखाएं: अगर टेक्नोलॉजी से जुड़ी माँ को एक बार में कोई बात समझ नहीं आ रही तो पेशान या इरिटेड न हों। एक दोस्त की तरह व्यवहार करें, बार-बार प्यार से समझाएं। एक उम्र के बाद टेक्नोलॉजी से जुड़ी बातें सीखने में डर, हिचक होती ही है। ऐसे में उन्हें प्यार से समझाएं, उनका हौसला बढ़ाएं। जैसे आपके बचपन में उन्होंने आपको एक-एक अक्षर और गिनती सिखाई थी, वैसे ही अब आपकी बारी है।
छोटे कदमों से करें



वीडियो कॉलिंग: अपनी मम्मी को जरूर सिखाएं कि कैसे वे अपनी सहेलियों या रिश्तेदारों से बिना किसी की मदद के वीडियो कॉल कर सकती हैं। अपने करीबियों को देखते हुए बात करना उन्हें बहुत खुशी देगा।
कैब बुकिंग: ट्रैवल एप के जरिए माँ को कहीं भी आने-जाने के लिए कैब बुकिंग करना भी सिखाएं। इससे कहीं भी अकेले आने-जाने के लिए वे आत्मनिर्भर बनेंगी।
हेल्थ-फिटनेस नॉलेज: माँ के फोन में कोई योगा एप डाउनलोड कर दें। इनमें 50 से अधिक की उम्र के हिसाब से आसान

योगासन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज के तरीके मिल जाएंगे। इनकी मदद से उन्हें फिट और हेल्दी रहने में बहुत मदद मिलेगी।
डिजिटल पेमेंट: उन्हें यूपीआई से पेमेंट करना जरूर सिखाएं। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और जब



चाहेंगी अपनी पसंद की शॉपिंग कर सकेंगी। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जब माँ अपनी पसंद की चीजों को डिजिटल तरीके से खुद एक्सेस कर पाएंगी, तो उन्हें बहुत खुशी मिलेगी।
टेक्नो फ्रेंडली बनने का फायदा: जब आपकी माँम टेक्नोस्मार्ट हो जाएंगी तो यह कई तरीके से उनके लिए फायदेमंद होगा।

- वे घर बैठे ऑनलाइन सामान ऑर्डर कर सकती हैं।
- वे डिजिटल माध्यम से दूर बैठे परिवार वालों से आसानी से जुड़ सकती हैं।
- वे नई चीजें सीखकर नॉलेज बढ़ा सकती हैं।
- अपने खाली समय में एंटरटेनमेंट कर सकती हैं, इससे उन्हें बोरियत नहीं होगी। a

विशेष लोगों की विशेष चाय

Leaf & Dust

केमल

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें

Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

हिमंता की ‘हिम्मत’ और ‘भाजपा’ पर मुहर

भाजपा का वोट शेयर 2016 के 33.6% से बढ़कर 2026 में 38.59% हो गया, यह करीब 5% का उछाल



एजेसी ► गुवाहाटी

असम विस चुनाव 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय सदन में 102 सीटों पर जीत या बहुत हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की ओर मजबूत कदम

जननायक के तौर पर उभरे हिमंता



निर्वाचन क्षेत्र जालुकबारी

- परिणाम : 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 89,562 वोटों के साथ शानदार जीत दर्ज की है। उनका वोट शेयर 76.1% रहा है
- पार्टी : भारतीय जनता पार्टी
- पद : मुख्यमंत्री, असम
- शुरुआती करियर : उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस से की थी।
- जीत का सिलसिला : वह जालुकबारी सीट से 2001, 2006 और 2011 में कांग्रेस के टिकट पर जीते।
- भाजपा में शामिल : 2015 में वह भाजपा में शामिल हुए और 2016, 2021 और अब 2026 में भाजपा के टिकट पर लगातार जीत हासिल की है।
- महत्वपूर्ण भूमिका : 2016 में भाजपा की पहली सरकार बनाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और 2021 में राज्य के मुख्यमंत्री बने।



असम में जश्न

पूर्वोत्तर में भाजपा का चेहरा

सिर्फ असम ही नहीं बल्कि मेडा के संयोजक के रूप में उन्होंने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा का आधार फैलाया है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने असम को पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बनाकर पूरे क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित किया।

80 हजार मतों से हिमंता की जीत

बड़े चेहरों की हार-जीत

मुख्यमंत्री सरमा ने जालुकबारी सीट से 1.12 लाख से ज्यादा वोट हासिल कर 80 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस के बड़े नेता गौरव गोगोई को जोरहाट सीट पर भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने 23,182 वोटों से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

सहयोगियों का प्रदर्शन

चुनाव आयोग के अनुसार, भाजपा जहां 50 से अधिक सीटों पर आगे रही, वहीं उसके सहयोगी असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने भी मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया। कांग्रेस 18 सीटों पर आगे रही, जबकि क्षेत्रीय दलों की भूमिका सीमित होती नजर आई।



चुनावी मंच का फोटो मीम्स बनकर वायरल हुआ

बेबाक छवि के रूप में पहचान

हिमंत बिस्वा बेबाक छवि वाले नेता हैं। इस इस छवि ने युवाओं को पार्टी से जोड़ने में मदद की। इसका असर चुनाव के परिणामों पर भी दिखाई देता है। विशेष समुदाय और कांग्रेस के खिलाफ उनकी झड़काऊ टिप्पणियां अक्सर चर्चा में रहती हैं। इन्हें लेकर समय-समय पर विवाद भी होते रहते हैं, लेकिन उनकी ऐसी टिप्पणियां पार्टी की छवि को खराब नहीं कर पाईं। नतीजा दूसरे समुदाय के लोग बीजेपी से जुड़ते गए।

ऐतिहासिक जनादेश

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने इसे ऐतिहासिक जनादेश बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार की नीतियों पर जनता के भरोसे का परिणाम है। हम राज्य के समय विकास के लिए और तेजी से काम करेंगे।

दो साल पुरानी पार्टी ने बनाया 5 दशकों का रिकॉर्ड



एजेसी ► तमिलनाडु

तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर हुआ है। एक्टर विजय ऐतिहासिक जीत लगभग तय है। ये वही थलापति विजय हैं, जिनका फिल्म बिगिल में एक डॉयलाग बेहद पॉपुलर हुआ था-एक बार मैंने मैदान में कदम रख दिया तो मुझे जीतना ही होगा। विजय की पार्टी तमिलनाडु वेद्री कजगम (टीवीके) 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में अगर उनकी पार्टी 118 सीटों का आंकड़ा छू लेती है तो वह सरकार बनाने में कामयाब हो सकती है। यहीं वजह है कि तमिलनाडु में थलपति का विजयी धमाका हुआ है और उन्हें सियासत के नए सिंघम के तौर पर देखा जा रहा है। विजय की टीवीके बमुश्किल दो साल पुरानी पार्टी है और पहली बार में ही वह सत्ता में बैठने जा रही है। निचले स्तर पर भी, यह विजय को राज्य की राजनीति के शीर्ष पायदान पर मजबूती से स्थापित करता है। ऊपरी स्तर पर, यह उन्हें 234 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों के बेहद करीब पहुंचा देता है। इस उदय की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि यह कितना संक्षिप्त और सुनियोजित रहा है।

राजनीतिक धार दिखाई दी

2010 के दशक के उत्तरार्ध और 2020 के दशक के आरंभ में, विजय की फिल्म-केंद्रित सार्वजनिक उपस्थिति में तीक्ष्ण राजनीतिक धार दिखाई देने लगी। 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम की उनकी आलोचना ने सिनेमा से परे रुख अपनाने की उनकी इच्छा का संकेत दिया। पार्टी के लॉन्च से पहले ही संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण मिल गया था। 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में, विजय मक्कल इयक्कम के उम्मीदवारों ने अपने झ्वारा लड़ी गई अधिकांश सीटों पर जीत हासिल की, जिससे यह साबित हो गया कि यह नेटवर्क लोकप्रियता को केवल मीड जुटाने तक सीमित नहीं रख सकता, बल्कि वोटों में भी तब्दील कर सकता है।

चाइल्ड एक्टर के तौर पर की थी शुरुआत

विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उनका जन्म 22 जून 1974 को चेन्नई में हुआ। पिता एस.ए. चंद्रशेखर तमिल सिनेमा के जाने-माने निर्देशक रहे हैं और माँ शोभा एक गायिका थीं। फिल्मी माहौल में पले-बढ़े विजय ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय शुरू कर दिया था।

ऐसे खड़ी की कामयाबी की इमारत

विजय ने 2009 में ही अपने प्रशंसक आधार को पुनर्गठित करना शुरू कर दिया था, जब उनके विशाल क्लबों को विजय मक्कल इयक्कम के रूप में औपचारिक रूप दिया गया था। शुरुआत में एक कल्याणकारी और सेवा नेटवर्क के रूप में स्थापित इस संगठन ने राहत कार्य, शिक्षा सहायता और स्थानीय हस्तक्षेपों के माध्यम से बूथ स्तर पर धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई।



सोशल मीडिया पर चले मीम्स

बहुमत- 118	कुल सीट 234		
दल	आगे	जीते	कुल
टीवीके	27	79	106(+106)
अनाद्रमुक+	16	37	53(-22)
डीएमके+	21	44	65(-94)
अन्य	2	7	9(+9)

एमजीआर ने एक दशक तक राज किया

पिछली बार जब सिनेमा ने फोट सेंट जॉर्ज पर सीधा कब्जा जमाया था, तब एमजीआर ने 1977 के विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल की थी और 1987 में अपनी मृत्यु तक एक दशक तक तमिलनाडु पर शासन किया था। उन्होंने प्रशंसकों की निष्ठा

जीते दिग्गज



टीवीके प्रमुख विजय ने पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। उन्होंने डीएमके के प्रतिद्वंद्वी आरडी शेखर को हराया। उदयनिधि स्टालिन डीएमके जीत।

हारे दिग्गज



एम के स्टालिन डीएमके राज्य के सिटिंग सीएम हैं और उनकी बड़ी हार मानी जा रही है। डी. जयकुमार एआईएडीएमके सीमेन एनटीके

फिल्म में नहीं करेंगे विजय

जब विजय ने फरवरी 2024 में तमिलनाडु वेद्री कजगम की स्थापना करके अंततः बड़ा कदम उठाया, तो उन्होंने असाधारण स्पष्टता के साथ ऐसा किया। उन्होंने ऐलान किया कि टीवीके 2026 के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेंगे और खुद को डीएमके-एआईएडीएमके के

एकाधिकार के स्वच्छ विकल्प के रूप में स्थापित करेंगे। इस घोषणा के बाद उन्होंने फिल्मों से संन्यास लेने की घोषणा की, जिससे लगभग 70 फिल्मों के साथ तीन दशक के करियर का अंत हो गया। संदेश साफ था-यह कोई मामूली परियोजना नहीं थी, बल्कि सियासत में लंबी छलांग थी।

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative GRANULES & TABLETS

कब्ज़ • गैस

पेट सफा तो हर रोग दफा

एसिडिटी

24x7 Helpline 91197 88888
www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

SELECTED NO. 1 BRAND INDIA 2011

दिविसा हर्बल केयर प्रस्तुत करते हैं

पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स, जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान, और परिणाम है पहले दिन से

Clinically Tested®

Only after consulting a doctor

इसकी आदत भी नहीं बनती

Divisa

हाईकोर्ट का अहम आदेश

जबलपुर। हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है कि आवेदन की अंतिम तिथि तक निर्धारित योग्यता होना अनिवार्य है। चीफ जस्टिस सजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं को कोई भी फायदा देना समानता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। जो हमारे संविधान के तहत मौलिक अधिकारी की रीढ़ है।कोर्ट ने इसी के साथ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया।

जबलपुर के कीर्ति पटेल,शिवचरण सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से एक सैकड़ा से अधिक याचिकाओं की तरफ से दायर याचिका में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति के लिए एजमा में शामिल होने की इजाजत देने की राहत चाही गयी थी। याचिका में कहा गया था कि असिस्टेंट प्रोफेसर की पोस्ट के निर्धारित योग्यता संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएट व पीडीसी है। विज्ञापन के अनुसार आवेदन जमा करने की अंतिम आखिरी 26 मार्च 2025 तक शैक्षणिक योग्यता होना आवश्यक था।

छावनी रहवासियों को सताने लगा बेदखली का डर

जबलपुर। सदर बाजार मुख्य मार्ग से लगे हुए मेंहदीबाग बंगले की जमीन पर बने मकानों को लेकर चल रहे आर्मी स्टेशन सेल के सर्वे से हड़कंप मच गया। यहां रह रहे परिवारों को यह डर सताने लगा है कि सर्वे के बाद उन्हें उक्त जगह से बेदखल कर दिया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार कैट के सिविल एरिया को समीपस्थ निकायों के हवाले करने की दिशा में कदम आगे बढ़ा रही है। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार छावनी क्षेत्रों के नागरिक इलाकों को स्थानीय निकायों को सौंपने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। इसी क्रम में सेना ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली जमीन और पुराने बंगलों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। मेंहदीबाग में आर्मी स्टेशन सेल, छावनी बोर्ड और रक्षा संपदा कार्यालय की संयुक्त टीम द्वारा पुराने अनुदान वाले बंगलों का सर्वे और ऑडिट शुरू किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। सर्वे टीम घर-घर पहुंचकर दस्तावेजों और जमीन की स्थिति की जांच कर रही है। इस दौरान रहवासियों को बताया जा रहा है कि संबंधित जमीन सेना के अधीन आती है। इस पूरी प्रक्रिया में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी भी शामिल हैं, जिससे कार्रवाई को और गंभीर माना जा रहा है।

आखिर किसके भरोसे थी पर्यटकों की सुरक्षा..?

हरिभूमि जबलपुर।

बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए दर्दनाक क्रूज हादसे के बाद अब एक के बाद एक गंभीर लापरवाहियों सामने आ रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब वाटर स्पोर्ट्स सेंटर पर तैनात कर्मचारियों के पास वैध लाइफ सेविंग सर्टिफिकेट तक नहीं थे, तो आखिर यात्रियों की सुरक्षा किस भरोसे छोड़ी गई थी। इस पूरे मामले ने मध्य प्रदेश पर्यटन निगम की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं।

जलक्रीड़ा सलाहकार का विवादित बयान

हादसे के बीच पर्यटन निगम के जल क्रीड़ा सलाहकार राजेंद्र निगम का बयान भी विवादों में आ गया है। उन्होंने कहा कि क्रूज में बैठने के बाद लाइफ जैकेट पहनना जरूरी नहीं होता और लोग इसे पहनना पसंद नहीं करते। जबकि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स और सरकारी गाइडलाइन साफ कहती हैं कि नाव या क्रूज पर चढ़ते ही लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी खुद ही नियमों को नजरअंदाज कर रहे थे।

तकनीकी सुविधाओं में भारी चूक

नियमों के मुताबिक किसी भी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधि के दौरान रेस्क्यू टीम हर समय तैयार रहनी चाहिए, लेकिन बरगी बांध में ऐसी कोई व्यवस्था मौके पर मौजूद नहीं थी। गाइडलाइन के अनुसार रेस्क्यू नाव में कम से कम 10 हॉर्स पावर का इंजन और एक निगरानीकर्ता होना जरूरी है, लेकिन यहां इन बुनियादी नियमों का पालन तक नहीं किया गया। संचार व्यवस्था भी पूरी तरह फेल रही, जिसके चलते समय पर मदद नहीं पहुंच पाई। हादसे के बाद सामने



जिसे बाद में 10 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दिया गया था।

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे अपने कोर्स के आखिरी सेमेस्टर के स्टूडेंट थे और सिलेक्शन प्रोसेस पूरा होने तक क्वालिफाई पूर्ण हो जायेंगे। दूसरे पदों की नियुक्ति के लिए ऐसी अनुमति प्रदान की गयी है।कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि आवेदन की अंतिम तिथि तक आवेदक के पास निर्धारित योग्यता होना आवश्यक है। कुछ उम्मीदवार ऐसे भी होंगे जो याचिकाकर्ताओं से सीनियर होंगे। पदों की संख्या निर्धारित है और याचिकाकर्ताओं को अनुमति प्रदान की जाती है तो यह उनके साथ अन्याय होगा।

दुष्कर्म के आरोप का मामला

पुलिस कर्मों के विरुद्ध एफआइआर निरस्त करने से इनकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पुलिस कर्मों के विरुद्ध दुष्कर्म के आरोप के मामले में दर्ज एफआइआर निरस्त करने से इनकार कर दिया। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करने करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, छतरपुर जिले में पदस्थ पुलिसकर्मों ने दुष्कर्म के आरोप में दर्ज एफआइआर की निरस्त कराने हाई कोर्ट की शरण ली थी। पीड़ित महिला की तरफ से एफआइआर निरस्त किए जाने की मांग का विरोध करते हुए बताया गया कि आरोपित ने विवाह का झूठा आश्वासन देकर शोषण किया। आरोपित पुलिस विभाग में सूबेदार के पद पर पदस्थ था। इसलिए उसके विरुद्ध एफआइआर दर्ज नहीं की जा रही थी। आवश्यक है। कुछ उम्मीदवार ऐसे भी होंगे जो याचिकाकर्ताओं से सीनियर होंगे। पदों की संख्या निर्धारित है और याचिकाकर्ताओं को अनुमति प्रदान की जाती है तो यह उनके साथ अन्याय होगा।

मेंहदी बाग बंगले की जमीन का सर्वे शुरु



इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है और बिना स्पष्ट नीति के ऐसी कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक जबलपुर छावनी क्षेत्र में करीब 29 ऐसे पुराने अनुदान वाले बंगले हैं, जो इस समय जांच के दायरे में हैं। इनमें से अधिकांश में नागरिक निवास कर रहे हैं, जबकि कुछ बंगले खाली पड़े हैं या जर्जर होकर गिर चुके हैं। कुछ संपत्तियों को आर्मी स्टेशन सेल अपने प्रबंधन में ले चुका है, लेकिन कई स्थानों पर अब भी पुराने परिवार रह रहे हैं।

फिलहाल सर्वे का काम जारी है, लेकिन जिस तरह से रहवासियों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन रही है, उसके आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमाने के संकेत मिल रहे हैं

हाईकोर्ट का फैसला

विलंब और अस्पष्ट निर्णय लेने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 50 हजार रु कांस्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अनुकंपा नियुक्ति आवेदन पर बहुत देरी से और अस्पष्ट निर्णय लेने पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस जेके फिल्लई की सिंगल बेंच ने बैंक प्रबंधन पर 50 हजार रुपए की कांस्ट लगाई। बैंक को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता को अनुकंपा नियुक्ति देने पर विचार करते हुए निर्णय पारित करें। कोर्ट ने कहा कि बैंक 30 दिन के भीतर कांस्ट की 50 हजार रुपए की राशि याचिकाकर्ता को प्रदान करें। रीवा निवासी निखिल कोल की ओर से अधिवक्ता नर्मदा प्रसाद चौधरी, अमित चौधरी ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता स्व शंकर प्रसाद कोल की इयूटी के दौरान 7 जुलाई 2016 को निधन हो गया था। याचिकाकर्ता ने नवंबर 2016 में ही अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन पेश कर दिया था। इसके बावजूद बैंक ने दो साल तक आवेदन को लंबित रखा। बाद में 2018 में निरर्थक कारण बताते हुए आवेदन निरस्त कर दिया। कसेट ने अधिकारियों द्वारा अपनाए गए घोर उदासीन रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा कि यह विवादित कार्रवाई कानून की दृष्टि से मान्य नहीं है।

शक्तिनगर में सूने घर से 10 लाख की चोरी

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत भोले कुटी के पास शक्तिनगर गढ़ा में आंखों का चैकअप कराने गई एक महिला के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के लगभग 10 लाख के जेवर चोरी कर ले गए। गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भोले कुटी के पास शक्तिनगर गढ़ा निवासी 63 वर्षीय श्रीमति गीता पांडे अपने बड़े बेटे पुणे निवासी ऋतुराज पांडे और छोटे बेटे मुहुपूर्ण पांडे के साथ गत 19 अप्रैल को अपनी आंखों का चैकअप कराने पुणे गई थी। जहां से गत 3 मई को अपने छोटे बेटे मुहुपूर्ण के साथ घर आई तो उसके

वारदात : सोने चांदी के जेवरगत ले गए चोर

पड़े थे। आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरगत जिसमें सोने की बैंदी, दो चूड़ी कड़े, चार अंगूठी, दो नाक की कील, एक मंगल सूत्र, एक चैन, कान का जोड़ा एक जोड़ा कान की झुमकी, एक कान का सेट, एक जोड़ी टाप्स एवं चांदी की एक जोड़ पायल, चांदी की आरती पांच, दो चांदी की चैन, दो चांदी की बच्चों की पायल, दो चांदी के हाथ के कड़े, एक चांदी का हाथ चंद्रमा, चांदी की बिलिया 10, एक जोड़ बिलिया, पायल नौ जोड़ी, 2 चैन लॉकट सहित, 20 सिक्के अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

क्रूज हादसा : कर्मचारियों के पास नहीं था लाइफ सेविंग सर्टिफिकेट !

कराया जाना अनिवार्य है। लेकिन बरगी बांध पर तैनात कर्मचारियों के सर्टिफिकेट एक्सपायर हो चुके थे और उन्हें रिन्यू तक नहीं कराया गया। यानी जिस स्टाफ पर यात्रियों की जान बचाने की जिम्मेदारी थी, वही पूरी तरह से नियमों के अनुरूप योग्य नहीं था।

नियमों की अनदेखी

गाइडलाइन के अनुसार बोटिंग और क्रूज संचालन केवल दिन के समय ही किया जा सकता है, लेकिन हादसे के दिन अंधेरा होने के बाद भी क्रूज चलाया जा रहा था। शाम 6 बजकर 7 मिनट तक क्रूज में पानी भरना शुरू हो गया था और यात्रियों ने अपने परिजनों को फोन कर इसकी जानकारी भी दी, लेकिन इसके बावजूद समय पर राहत नहीं पहुंची।

जवाबदेही तय करने की मांग

पूरे मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतनी बड़ी लापरवाहियों के बावजूद जिम्मेदारी किसकी तय होगी। बिना वैध सर्टिफिकेट के कर्मचारियों की तैनाती, रेस्क्यू टीम का अभाव, नियमों की अनदेखी और गलत बयानों के बीच क्या केवल कार्रवाई की औपचारिकता होगी या फिर दोषियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए

नुनसर में ट्रक-बस टकराए, बच्ची गंभीर

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र के नुनसर पुलिस चौकी के पास सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और यात्री बस के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। हादसे के समय बस में कई यात्री सवार थे, जो जबलपुर से पाटन की ओर जा रहे थे। टक्कर में बस में सवार एक बच्ची को गंभीर चोट आई, जबकि अन्य यात्रियों को हल्की चोटें लगीं। घायल बच्ची को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है।

चीख-पुकार के बीच शुरू हुआ रेस्वयू

जानकारी के अनुसार ट्रक पाटन से जबलपुर की ओर आ रहा था और बस जबलपुर से पाटन की ओर जा रही थी। नुनसर तिराहे के पास दोनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और



घायलों को एंबुलेंस व निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही नुनसर चौकी प्रभारी विपिन तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और सड़क पर लगे जाम को हटाकर यातायात चालू कराया। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में हादसे की वजह ट्रक चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आ रही है।

गड्डी में ऊपर-नीचे असली, बीच में फसा दिए बच्चा बैंक के नोट

उधारी के 15 लाख लौटाने का झांसा देकर थमाये नकली नोट

जबलपुर। बेलखेड़ा थानान्तर्गत एक महिला किराना व्यापारी से परिवारिक संबंधों की आड़ में एक युवक ने 15 लाख रूपए उधार लिये थे। पिछले तीन वर्षों से महिला द्वारा पैसे लौटाने का कहने के बावजूद युवक लंबे समय से आनाकानी कर रहा था।आरोपी ने महिला व्यापारी को 15 लाख रूपए लौटाने का झांसा देते हुए अपने तीन परिचित युवकों को उसके घर रकम लेकर भेजा जब महिला व्यापारी उक्त रकम बैंक में जमा कराने पहुंची तो उसे पता चला कि युवक ने १५ लाख रूपए की ५ सौ, ५ सौ की जो गड्डी पहुंचायी थी उसमें ऊपर नीचे के नोट ही असली थे वहीं गड्डी में बीच में लगे सभी ५ सौ के नोट नकली निकले इन नोटों में चिल्ड्रन बैंक लिखा था। आरोपी युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। बेलखेड़ा पुलिस ने बताया कि बेलखेड़ा निवासी गायत्री बाई लौधी की एक किराना दुकान है। सुन्दरा देही निवासी आनन्द सिंह ठाकुर से उनके परिवारिक संबंध हैं। जिससे गत तीन वर्षों से गायत्री बाई का रूपए का लेनदेन चलता है जो समय पर रूपए वापस नहीं करता था। गत २^० मार्च को जब गायत्री बाई ने आनंद

से उधारी की रकम वापस मांगी तो वह बोला कि क्राईम ब्रांच ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है उस नंबर पर फोन नहीं लगाया मैं दूसरे नंबर से कॉल करूंगा तो फोन उठा लेना। बाद में आनंद ने महिला को दूसरे मोबाइल नंबर से फोन कर कहा कि आप पैसे लेने कटई घाट बेलखेड़ा आ जाओ । तो गायत्री ने आने से मना कर दिया आनंद कहा कि २७ मार्च को आपके पास ही पैसा भिजवा दूंगा। आनंद ने गत २७ मार्च की रात साढ़े दस आर्यन वीरू व अनुज को एक थैले में १५ लाख रूपए रखकर भेजा। आर्यन व वीरू उसके घर के बाहर खड़े थे वहीं अनुज रूपए से भरा थैला लेकर अंदर आया गायत्री बाई ने देखा कि थैले में १५ लाख रूपए की पांच पांच सौ रूपए के नोटों की गड्डी थी। दूसरे दिन जब गायत्री बाई बैंक पैसे जमा करने गई तो उसने देखा कि उसके साथ आनंद ने धोखाधड़ी की है उसे 15 लाख रूपए की उधारी लौटाने के एवज में जो पांच पांच सौ रूपए की नोटों की गड्डियां दी गई उसमें पांच-पांच सौ रूपए के ही ऊपर नीचे असली नोट है वहीं बीच में रखे हुए पांच सौ के नोट नकली थे। जो बच्चों के कागज के खेलने वाले नोट थे।

Divisa

Dr. Juneja's®

डा.आर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. आर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। परिणाम पहले दिन से दिखेंगे।

घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द आदि में सहायक आयुर्वेदिक औषधि

ASIA'S MOST PROMISING BRAND

Dr. Ortho Oil

An Ayurvedic Medicine

Helpful in Painful Conditions

20% EXTRA

Clinically Tested®

Only after consulting a doctor

Helpful in Painful Conditions

Dr. Ortho Oil

20% EXTRA

Available at all medical & general stores

24x7 Helpline: 7876977777
www.drorthooil.com